सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 24 अक्टूबर, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-56 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

बिहारः आरसीपी नया दल बनाकर किसके लिए सिरदर्द बनेंगे?

समी अहमद

11 मार्च 2023 को आरसीपी यानी रामचंद्र प्रसाद सिंह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए थे और अब उन्हें लग रहा है कि वहां उनका उपयोग नहीं हुआ, इसलिए वह भाजपा छोड़ नई पार्टी बनाने जा रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि दो साल से राजनीतिक बियाबान में रहते चले आए आरसीपी बिहार विधानसभा 2025 के विधानसभा चुनाव में किस पार्टी के लिए सिरदर्द बनेंगे?

इस राजनीतिक बियाबान से निकलने के लिए आरसीपी के समर्थकों ने हाल ही में पटना की सड़कों पर ऐसे होर्डिंग्स लगाए जिनमें उनकी तस्वीर के साथ लिखा था, 'टाइगर अभी जिंदा है।' फिर आरसीपी ने खुद ही ऐलान कर दिया कि वह अपनी नई पार्टी बनाएंगे क्योंकि उनके समर्थक ऐसा ही चाहते हैं।

आरसीपी की सबसे बड़ी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर यह है कि वह पूर्व केंद्रीय स्टील मंत्री हैं लेकिन बिहार में उन्हें इसलिए जाना जाता है कि कभी वह जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। उस जमाने में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बाद दूसरे सबसे शक्तिशाली व्यक्ति माने जाते थे। यह माना जाता है कि आरसीपी जब जदयू के अध्यक्ष थे तो उन्होंने पार्टी को काफी विस्तार दिया और अब भी बहुत से कार्यकर्ता उनके संपर्क में हैं। आरसीपी की एक और पहचान यह है कि वह नीतीश कुमार के सजातीय यानी कुर्मी हैं। छोटा सा फर्क यह है कि नीतीश कुमार अवधिया कुर्मी है जबकि आरसीपी समसमार कुर्मी हैं। उनके करीबी लोगों को ऐसा लगता है कि नीतीश कुमार के कमजोर होने के बाद आरसीपी बड़े कुर्मी नेता के रूप में स्थापित हो सकते हैं। इसमें उन्हें जदयू के उन कार्यकर्ताओं का समर्थन भी मिल सकता है जो नीतीश कुमार के कमजोर पड़ने के कारण वहां उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। आरसीपी फिलहाल न तो नीतीश कुमार पर कोई हमला कर रहे हैं, न ही बीजेपी के खिलाफ कटु शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं लेकिन चुनाव आते-आते उनका इस रुख पर बने रहना मुश्किल लगता है।

राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है कि आरसीपी की नई पार्टी और उनके उम्मीदवारों से ज्यादा नुकसान नीतीश कुमार की पार्टी और बीजेपी को ही होगा। वैसे भी आरसीपी की पकड़ उसी वर्ग में ज्यादा मानी जाती है जो एनडीए का परंपरागत समर्थक है।

कई लोगों का यह मानना है कि आरसीपी दरअसल भारतीय जनता पार्टी और नीतीश कुमार को अपना महत्व बताना चाहते हैं और हो सकता है चुनाव आते-आते दोनों के लिए सिरदर्द बन जाएं। आरसीपी उनके लिए कहीं वोटकटवा न बन जाएं, इसके मद्देनजर भाजपा उनसे अंतिम समय में कोई गठबंधन कर ले तो किसी को ताज्जुब नहीं होगा। लेकिन फिर सवाल यह होगा कि क्या नीतीश कुमार इसके लिए तैयार होंगे? ऐसे में सबको 2020 का विधानसभा चुनाव याद आता है जब चिराग पासवान ने जदयू के खिलाफ उम्मीदवार खड़े कर बड़ी संख्या में जदयू को नुकसान पहुंचाया था।

ध्यान रहे कि बिहार की राजनीति में प्रशांत किशोर का नाम काफी चर्चा में है और उनकी जन सुराज पार्टी के बारे में समझा जाता है कि उसके उम्मीदवारों से आरजेडी को नुकसान होगा। ऐसे में आरसीपी का मजबूती से सियासी मैदान पर उतरना राजद की राजनीति के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

याद रखने की बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी में वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र प्रधान ने उन्हें दिल्ली में भाजपा की सदस्यता दिलाई थी लेकिन वहां उन्हें कोई ऐसी जिम्मेदारी नहीं दी गई जिससे वह कोई काम करते हुए दिखते। लेकिन आरसीपी यह कहते हैं कि व्यक्तिगत रूप से उनका भाजपा के नेताओं से अच्छा संबंध है। फिर उन्हें भाजपा में अपने अनुपयोगी होने का एहसास क्यों हुआ? ऐसा माना जाता है कि नीतीश कुमार ने जब एनडीए में वापसी की तो उसमें आरसीपी को किनारे लगाने की शर्त भी शामिल थी।

कई लोगों का मानना है कि आरसीपी बीजेपी में जाकर ठगे गए। लेकिन खुद आरसीपी इस बात से सहमत नहीं कि बीजेपी ने उन्हें ठगा। लेकिन वह यह कहते हैं कि उनका जितना उपयोग वहां होना चाहिए वह नहीं हुआ। वह कहते हैं कि वह नहीं जानते कि इसके पीछे नीतीश कुमार का हाथ था या नहीं।

कई राजनीतिक टीकाकारों का मानना है कि आरसीपी ने हाल में नीतीश कुमार की प्रशंसा की थी और बिना शोर किये यह कोशिश की कि उनकी जदयू में वापसी हो जाए लेकिन जदयू में जो संगठनात्मक परिवर्तन हुए हैं उसमें उनके लिए यह मुमकिन नहीं हो सका। इसके पीछे एक खास वजह यह भी है कि आरसीपी ने नीतीश कुमार को एक जमाने में निशाने पर ले रखा था और उनकी प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी का भी मजाक उड़ाया था। यह तब की बात है जब नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन के सूत्रधार के रूप में चर्चित हुए थे।

ध्यान रहे कि नीतीश कुमार ने आरसीपी को न केवल अपनी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया बल्कि राज्यसभा भी भेजा। उस समय नीतीश कुमार एनडीए के साथ थे और उनकी राय यह थी कि जदयू को सरकार में प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व न देकर आनुपातिक प्रतिनिधित्व दिया जाए। कहा यह जाता है कि आरसीपी ने नीतीश कुमार की यह बात नजरअंदाज कर दी और उनकी सहमति के बिना खुद का नाम मंत्री पद के लिए भेज दिया और फिर मोदी मंत्रिमंडल में स्टील मंत्रालय पा लिया। लेकिन उन्हें यह मंत्री पद उस समय छोड़ना पड़ा जब उनका राज्यसभा का कार्यकाल खत्म हो गया और नीतीश ने उन्हें दोबारा राज्यसभा नहीं भेजा। उसके बाद से वह राजनीतिक रूप से कम ही चर्चित रहे।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मौजूदगी में एम.पी. टूरिज्म बोर्ड और एकेएस यूनिवर्सिटी, सतना के बीच हुआ एमओयू

रीवा में मल्टी लॉजिस्टिक पार्क भी बनेगा

- म.प्र.में पतंजलि 1000 करोड़ निवेश करेगा
- सीएम ने कहा- हेल्थ टूरिज्म डेवलप करेंगे
- फेन सेन्चूरी, मण्डला में स्थित इकाई का स्वीकृति पत्र जारी
- एमपी टूरिज्म न्यूजलेटर 'ऑफबीट मध्यप्रदेश' का हुआ विमोचन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीवा में रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के न्यूजलेटर 'ऑफबीट मध्यप्रदेश' का विमोचन किया। इस न्यूजलेटर का उद्देश्य राज्य के पर्यटन स्थलों की व्यापक जानकारी प्रदान करना और राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देना है। प्रत्येक 3 माह में प्रकाशित होने वाले इस न्यूज लेटर में मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, और धार्मिक स्थलों के बारे में जानकारी दी जाएगी। मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थल, नीतियों, आयोजन और सम-सामयिक गतिविधियों के प्रचार प्रसार के लिए प्रकाशन किया जा रहा है। पर्यटन क्षेत्र के देश और विदेश के हितधारक, मीडिया और जनसामान्य को मध्यप्रदेश पर्यटन की उपलब्धियों और नवाचार की जानकारी मिल सकेगी। इस न्यूज लेटर को मध्यप्रदेश पर्यटन की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फेन सेन्चूरी, मण्डला में स्थित इकाई के संचालन के लिए स्वीकृति पत्र (लेटर ऑफ अवॉर्ड) अंश इन्फ्रास्ट्रक्चर और डेवलपर्स रायपुर को सौंपा। मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा 30 वर्ष के लिए पीपीपी मोड में संचालित करने के लिए सौंपा है। इससे क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों का विकास होगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार में वृद्धि होगी। कॉन्क्लेव में सीएम डॉ. मोहन यादव ने घोषणा की कि रीवा में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क बनेगा। संजय दुबरी नेशनल पार्क को इंटरनेशनल लेवल का बनाएंगे। हेल्थ टूरिज्म डेवलप करेंगे। आचार्य बालकृष्ण ने कहा- पतंजलि यहां फूड प्रोसेसिंग, पर्यटन, आईटी और सोलर के क्षेत्र में काम करेगी। ये निवेश शुरुआती है। सफलतापूर्वक संचालन के बाद इसे और बढ़ाया जाएगा।

बीज को पौधा बनना है तो मिट्टी में गाड़ना पड़ता है : सीएम

सीएम ने कहा चुनाव का समय नहीं है। पुनित डालमिया से बात कर रहा था। मैं एज ए सीएम की तरह बैठा हूं। मेरा एक-एक अधिकारी भाषण दे रहा है। सीएस से लेकर पीएस तक। मुझे भी मजा आ रहा है। मंत्री बोल रहे हैं। उद्योगपति बोल रहे हैं। बीज से पौधा निकलने की कल्पना करना।

सुप्रभात

देखीं सबने,
घर के सपने की नींव में
रखीं हल्दी की पांच गांठें
लोहे की कीलें
और 11 पत्ते पान के...
पल्लू में बंधी वो दोपहरें
भी तो छोड़ी थी उसनें...
इत्मीनान से बरामदे में सुस्ताती
दोपहरें...
और बाज़ार में बेवजह फिरती शामें...
कि सपनों के घर की खिड़की सूरज की
तरफ खुले
इस वास्ते कितने साल
ऊगता डूबता दिन नहीं देखा
जब उतरी चेहरे की आब
तब तो दीवारों पर सुर्ख रंग चढ़ पाए
महीने की किश्तें
किस्तों में जिंदगी लिए जाती हैं ....
आज खबर में दर्ज हुई है एक औरत
कच्चे घर की दीवारों के लिए
मिट्टी खोदने गई थी...
दीवार तो बच गई.....
खुद धंस गई....

- शिफाली

मोदी सरकार की योजनाओं की मॉनिटरिंग करेंगे शिवराज

दिल्ली में बढ़ा चौहान का कद,केन्द्रीय कृषि मंत्री की अध्यक्षता में बना मॉनिटरिंग ग्रुप

2014 से लेकर अब तक के कामकाज की होगी समीक्षा

शिवराज सिंह चौहान की अगुआई में यह टीम साल 2014 यानी पहली एनडीए सरकार के कार्यकाल से लेकर अब तक घोषित परियोजनाओं की समीक्षा करेगी। अगर किसी परियोजना में कोई देरी, किसी प्रकार की कोई समस्या आती है तो यह टीम संबंधित प्रोजेक्ट्स के सचिवों से संपर्क करेंगे।

भोपाल (नप्र)। मप्र के पूर्व सीएम और वर्तमान में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक और अहम जिम्मेदारी दी है। पीएम ने कृषि मंत्री को केन्द्र सरकार की फ्लैगशिप स्कीम के लिए बनाए गए मॉनिटरिंग ग्रुप का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह निगरानी समूह मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं का क्रियान्वयन करेगा और उनकी स्टेटस रिपोर्ट प्रधानमंत्री को भेजेगा।

18 अक्टूबर को हुई पहली बैठक-दिल्ली में निगरानी समूह की पहली बैठक 18 अक्टूबर को हुई है। इस मीटिंग में केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों के सचिवों ने भाग लिया था। अब हर महीने इस मॉनिटरिंग ग्रुप की मीटिंग होगी।

मांडविया और गोयल संभाल चुके यह जिम्मेदारी- शिवराज सिंह चौहान से पहले यह जिम्मेदारी केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया संभाल रहे थे। मांडविया से पहले इस निगरानी समूह के अध्यक्ष केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल थे। इस निगरानी समूह के अध्यक्ष की जिम्मेदारी अहम मानी जाती है। क्योंकि, वर्तमान योजनाओं में कौन सा बदलाव करना है या कौन सी नई स्कीम शुरू करनी है इस पर यही ग्रुप फैसला लेकर मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री के पास भेजता है।

आधी रात को 7 आईपीएस अफसरों के ट्रांसफर

- संतोष सिंह इंदौर पुलिस कमिश्नर, राकेश गुप्ता सीएम के ओएसडी; 3 जिलों के एसपी भी बदले

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में मंगलवार आधी रात को 7 आईपीएस अफसरों के तबादले किए गए। रात एक बजे गृह विभाग से जारी आदेश के मुताबिक मुख्यमंत्री के ओएसडी बदल दिए गए। इंदौर पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता को मुख्यमंत्री का ओएसडी बनाया गया है। वर्तमान ओएडी राजेश हिंगणकर 31 अक्टूबर को रिटायर हो रहे हैं। राजेश हिंगणकर 19 फरवरी 2024 को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के ओएसडी बनाए गए थे। अपर परिवहन आयुक्त, ग्वालियर, उमेश जोगा को उज्जैन जोन का अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) बनाया गया है। वहीं आईजी उज्जैन संतोष सिंह को इंदौर का नया पुलिस कमिश्नर बनाया गया है।

संतोष सिंह | राकेश गुप्ता

तीन जिलों के एसपी बदले गए

गृह विभाग से जारी आदेश के मुताबिक तीन जिलों जबलपुर, देवास और बड़वानी जिले के एसपी बदल गए हैं। जबलपुर एसपी आदित्य प्रताप सिंह पुलिस मुख्यालय में पदस्थ किए गए हैं। उनकी जगह देवास के एसपी संपत उपाध्याय को जबलपुर एसपी बनाया गया है। बड़वानी एसपी पुनीत गहलोत को देवास का एसपी बनाया गया है। इंदौर के पुलिस उपायुक्त जगदीश डाबर को बड़वानी का एसपी बनाया गया है।

इन आईपीएस के हुए ट्रांसफर

क्र.	अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
1.	उमेश जोगा	अपर परिवहन आयुक्त मप्र, ग्वालियर	एडीजी, उज्जैन जोन
2.	राकेश गुप्ता	पुलिस कमिश्नर इंदौर	ओएसडी, मुख्यमंत्री
3.	संतोष कुमार सिंह	पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन जोन	पुलिस कमिश्नर इंदौर
4.	आदित्य प्रताप सिंह	एसपी, जबलपुर	एआईजी, पुलिस मुख्यालय भोपाल
5.	जगदीश डाबर	पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) इंदौर	एसपी बड़वानी
6.	संपत उपाध्याय	एसपी देवास	एसपी जबलपुर
7.	पुनीत गेहलोत	एसपी बड़वानी	एसपी देवास

इंदौर पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता को मुख्यमंत्री का ओएसडी बनाया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्री महामृत्युंजय की पूजा-अर्चना की

प्रदेशवासियों के कल्याण की मंगल कामना की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीवा में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में शामिल होने के पहले किला परिसर स्थित भगवान महामृत्युंजय के मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना और आरती की। मुख्यमंत्री ने भगवान महामृत्युंजय से प्रदेशवासियों के कल्याण और प्रदेश के विकास की मंगल कामना की।

बघेली लोक संस्कृति एवं परंपरागत नृत्यों से हुआ स्वागतः रीवा में कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम रीवा में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बघेलखण्ड के लोक कलाकारों द्वारा बघेली संस्कृति एवं परंपरा के अनुरूप आत्मीय स्वागत किया गया। स्वागत का आकर्षण गुदुम नृत्य रहा। कार्यक्रम में प्रस्तुत लोक संगीत की गूंज से परिसर मंत्र-मुग्ध हो गया।

उद्योगपति स्व. रतन टाटा की रंगोली से बनाए चित्र पर की पुष्पांजलि अर्पित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपति स्व. रतन टाटा की रंगोली से बनाए गए चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने देश के विकास में स्व. टाटा द्वारा किए गए प्रयासों को याद किया तथा उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व की सराहना की।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा रीवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह, नगरीय आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, सांसद रीवा संसदीय क्षेत्र श्री जनार्दन मिश्रा, विधायक गुढ़ श्री नागेंद्र सिंह, विधायक मऊगंज श्री प्रदीप पटेल, विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह, विधायक त्योंथर श्री सिद्धार्थ तिवारी, विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति, डॉ. अजय सिंह, कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, आईजी एम एस सिकरवार, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल सहित जन-प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 24 अक्टूबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

अजित गुट की पहली लिस्ट, 38 कैंडीडेट के नाम

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को एनसीपी अजित पवार गुट ने पहली लिस्ट जारी की। इसमें 38 कैंडीडेट्स के नाम हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार बारामती से चुनाव लड़ेंगे। यह बारामती लोकसभा सीट के अंतर्गत आती है। बारामती लोकसभा सीट शरद पवार की पारंपरिक सीट रही है। यहां से इस बार उनकी बेटी सुप्रिया सुले जीती थीं। सुप्रिया ने लोकसभा चुनाव में अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को हराया था। इससे पहले मंगलवार देर रात शिवसेना (शिंदे गुट) ने 45 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कोपड़ी पाचपाखाडी से चुनाव लड़ेंगे। वहीं, मंत्री उदय सामंत को रत्नागिरी से टिकट दिया गया है। महायुति ने अब तक 182 नाम की घोषणा की है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस

सुरक्षा के लिए ममता सरकार ने बनाई टास्क फोर्स

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने मंगलवार को राज्य स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया है, जो राज्य में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ सर्विस की क्वालिटी में भी सुधार करेगी। सरकार ने एक नोटिफिकेशन में इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हड़ताल कर रहे जूनियर डॉक्टरों से इस टास्क फोर्स के गठन का वादा किया था। चीफ सेक्रेटरी मनोज पंत इस टास्क फोर्स के अध्यक्ष होंगे। होम सेक्रेटरी नंदिनी चक्रवर्ती, राजीव कुमार, एनएस निगम और मनोज वर्मा इसका हिस्सा होंगे।

बाबा सिद्दीकी मर्डर

लॉरेंस के संपर्क में थे आरोपी, हत्या से पहले की प्रैक्टिस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या में शामिल शूटरों ने उन पर हमला करने से पहले कम से कम पांच बार शूटिंग की प्रैक्टिस की थी। मुंबई पुलिस ने बताया कि शूटरों ने करजत-खोपोली रोड के पास एक जंगल में निशानेबाजी का अभ्यास भी किया था। पुलिस के मुताबिक, शूटरों ने बाबा सिद्दीकी को निशाना बनाने से पहले रायगढ़ जिले में एक झरने के पास पेड़ पर गोली चलाने की प्रैक्टिस की थी। आरोपियों ने प्रैक्टिस के दौरान पेड़ पर पांच से दस गोलियां चलाईं। ये प्रैक्टिस शूटर्स ने इस साल सितंबर में की थी। 12 अक्टूबर की रात को बाबा सिद्दीकी की उनके बेटे जीशान के ऑफिस के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या की जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस गैंग ने ली है।

हम जंग नहीं, डायलॉग और डिप्लोमेसी चाहते हैं: मोदी

पीएम मोदी ने बोले- सभी चुनौतियों से लड़ने में सक्षम है ब्रिक्स

मोदी ने कहा-विविधता व मानवता में विश्वास ही हमारी ताकत है

कजान (एजेंसी)। रूस के कजान शहर में ब्रिक्स समिट का बुधवार को दूसरा दिन है। पीएम मोदी बुधवार को दो मीटिंग में शामिल हुए। उन्होंने कहा,ब्रिक्स देशों को आतंकवाद के खिलाफ एक साथ लड़ना होगा। इस पर दोहरा रवैया नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूएनएससी में रिफॉर्म करना जरूरी है। एक अन्य स्पीच में पीएम ने कहा, ब्रिक्स नए स्वरूप में विश्व की 40 फीसदी मानवता और लगभग 30 फीसदी इकोनॉमी का प्रतिनिधित्व करता है। पिछले 2 दशक में संगठन ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। मुझे उम्मीद है कि ब्रिक्स वैश्विक चुनौतियों के लिए और अधिक प्रभावी माध्यम बनकर उभरेगा। पीएम ने कहा कि हम युद्ध नहीं, डायलॉग और डिप्लोमेसी का समर्थन करते हैं और जिस तरह हमने मिलकर कोविड जैसी चुनौती को परास्त किया। उसी तरह हम भावी पीढ़ी के सुरक्षित, सशक्त और समृद्ध भविष्य के लिए नए अवसर पैदा करने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारत में मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को तेजी से बढ़ाने के लिए हमने गतिशक्ति पोर्टल बनाया है। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए इंटीग्रेटेड प्लानिंग और इंप्लीमेंटेशन में मदद मिली है और लॉजिस्टिक कॉस्ट कम हुई है। हमारे अनुभव आप सभी के साथ साझा करने में हमें खुशी होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ब्रिक्स के तहत सहयोग बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पीएम ने कहा कि विविधता और मानवता में हमारा विश्वास ही हमारी ताकत है और यही हमारी आने वाली पीढ़ियों के समृद्ध और मजबूत भविष्य को साथर्क आकार देगा।

बिहार में हमारे रहते कैसे करा देंगे दंगा फसाद

पटना (एजेंसी)। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की हिंदू स्वाभिमान यात्रा पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। लालू ने गिरिराज पर आरोप लगाया कि वो इस तरह की बातें करने के आदी हैं। एनडीए राज और नीतिश के राज में कोई फर्क नहीं है। लालू ने कहा कि उनके रहते कोई भी दंगा-फसाद नहीं करा सकता, क्योंकि हिंदू और मुस्लिम सब एक हैं। उन्होंने बिहार में हो रही घटनाओं के लिए नीतिश कुमार को जिम्मेदार ठहराया। लालू ने यह बातें बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहीं।

ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के पास 10 हजार बसों के ऑर्डर

हैदराबाद/भोपाल। अग्रणी इलेक्ट्रिक बस आपूर्तिकर्ता ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड (ओजीएल) ने दूसरी तिमाही और पहली छमाही के लिए अपने संयुक्त वित्तीय परिणामों की घोषणा की। निदेशक मंडल ने आज आयोजित अपनी बैठक में इन उल्लेखनीय परिणामो को आधिकारिक रूप से मंजूरी दे दी। तिमाही के दौरान, ओलेक्ट्रा ने 315 इलेक्ट्रिक वाहन वितरित किए, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 154 की तुलना में 105 प्रतिशत की वृद्धि है। कंपनी अब तक 2,217 इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी कर चुकी है। कंपनी के पास अब तक कुल 10,503 बस ऑर्डर पंजीकृत हो चुके हैं। कंपनी ने 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छमाही के लिए प्रति शेयर आय (ईपीएस) 8.72 रुपये दर्ज की, जो पिछले साल 4.40 रुपये प्रति शेयर थी। परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के सीएमडी के. वी. प्रदीप ने कहा, हमारा ध्यान उत्पादन बढ़ाने और अपनी प्रौद्योगिकी क्षमताओं को बढ़ाने पर है और हमारी ऑर्डर बुक बहुत अच्छी है।

विक्रम विश्वविद्यालय में हुआ डॉ. जवाहर कर्णावट का सम्मान और विदेश में हिंदी पत्रकारिता पुस्तक पर चर्चा

भोपाल। विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन की हिंदी अध्ययनशाला, पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला तथा ललित कला अध्ययनशाला के संयुक्त तत्वावधान में मध्य प्रदेश के प्रख्यात लेखक एवं भारत सरकार द्वारा विश्व हिंदी सम्मान से सम्मानित डॉ. जवाहर कर्णावट को वाग्देवी भवन में आयोजित भव्य समारोह में सम्मानित किया गया तथा उनकी हाल ही में प्रकाशित पुस्तक विदेश में हिंदी पत्रकारिता पर राष्ट्रीय विमर्श आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व संभागायुक्त एवं पूर्व कुलपति डॉ मोहन गुप्त थे। अध्यक्षता कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज ने की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कुलानुशासक एवं हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो शैलेंद्र कुमार शर्मा, विशिष्ट वक्ता प्रो गीता नायक, डॉ पिलकेंद्र अरोरा, प्रो जगदीश चंद्र शर्मा आदि रहे। अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज ने कहा कि डॉ कर्नावट की पुस्तक पूरे विश्व में हिंदी की गौरव गाथा से साक्षात्कार कराती है। हिंदी के साथ हमें भारत की भाषाओं के प्रति गौरव का भाव उत्पन्न करना चाहिए। इस पुस्तक के माध्यम से विभिन्न विज्ञानों से जुड़े लोग भी ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। लेखक एवं अध्ययनशाला के पूर्व विद्यार्थी डॉ जवाहर कर्नावट ने इस पुस्तक की लेखन प्रक्रिया पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि विश्व के अनेक देशों में हिंदी पत्रकारिता केवल कुछ पत्र पत्रिकाओं के प्रकाशन तक सीमित नहीं रही। वह भारतवंशियों के संघर्ष का गौरवमयी इतिहास है। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा पुस्तक के लेखक डॉ जवाहर कर्नावट को अंग वस्त्र, मौक्तिक माल एवं साहित्य भेंट कर उनका सारस्वत सम्मान किया गया।

बिहार में 'डेंगू' ने डराया हर ओर मच गया हड़कंप

- एक दिन में ही 234 लोग हो गए पॉजिटिव, छाई है दहशत
- दीवाली-छठ से पहले वायरस ने पसारे पांव,प्रशासन सतर्क

पटना (एजेंसी)। बिहार में डेंगू मरीजों की लगातार बढ़ रही संख्या ने त्योहार के इस मौसम में लोगों में डर बैठा दिया है। स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन हालांकि डेंगू से बचने को लेकर सभी तरह की सावधानी बरतने में जुटी है। सरकारी आंकड़ों पर गौर करें तो प्रदेश में डेंगू मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इस साल प्रदेश में अब तक डेंगू के 5,888 मरीज सामने आ चुके हैं, जिसमे सिर्फ पटना के 2,920 लोग शामिल हैं। बिहार में सिर्फ मंगलवार को एक दिन में सबसे अधिक 234 डेंगू मरीजों की पुष्टि हुई है। इधर, सरकारी अस्पतालों में डेंगू के संभावित मरीजों की संख्या जांच के लिए पहुंच रही है। कई डेंगू मरीजों का इलाज घर पर ही चल रहा है। आंकडों के अनुसार, 14 अक्टूबर को राज्य में 130 डेंगू मरीजों की पहचान की गई थी जबकि 15 अक्टूबर को 146 डेंगू से पीड़ित लोग सामने आए थे। 18 और 19 अक्टूबर को 198 -198 मरीजों की पहचान की गई थी। इधर, स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू से निबटने के लिए सभी जिलों को अलर्ट किया है। बताया गया कि प्रत्येक मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 30 बेड, जिला अस्पतालों में पांच बेड, प्राथमिक स्वास्थ्य और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी दो -दो बेड डेंगू मरीजों के लिए आरक्षित रखने के लिए कहा गया है।

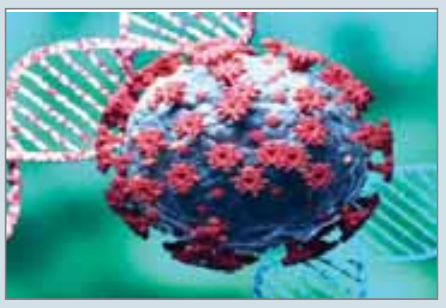

वायनाड लोकसभा सीट

रोड शो के बाद प्रियंका गांधी ने भरा नामांकन

- शक्ति प्रदर्शन से दिखाई ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रोड शो के बाद वायनाड लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल कर दिया है। इस दौरान उनके साथ भाई राहुल गांधी, मां सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद रहे। प्रियंका ने नामांकन से पहले कहा- जब मैं 17 साल की थी, तब मैंने पहली बार पिता के लिए 1989 में कैंपेन किया था। तब से इन 35 साल के दौरान मां, भाई के लिए वोट मांगें। अब पहली बार खुद के लिए समर्थन मांग रही हूं। राहुल गांधी ने कहा कि वायनाड देश का ऐसा क्षेत्र है जहां से 2 सांसद हैं। एक आधिकारिक सांसद और दूसरा अनौपचारिक सांसद। दोनों वायनाड के लिए काम करेंगे। प्रियंका गांधी पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। भाजपा ने उनके खिलाफ नाव्या हरिदास को उतारा है।

बेंगलुरु में बारिश से 7 मंजिला इमारत गिरी, 5 लोगों की मौत

डिप्टी सीएम बोले-प्रकृति को नहीं रोक सकते,जेडीएस बोली-कांग्रेस ने दुर्दशा कर डाली

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में भारी बारिश के कारण बेंगलुरु में मंगलवार को एक निर्माणाधीन 7 मंजिला इमारत गिर गई। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई है। मलबे के अंदर 21 लोग फंसे हुए थे, जिनमें से 13 लोगों को बचा लिया गया। वहीं, 3 लोग अभी भी मलबे में दबे हैं। एनडीआरएफ की टीम ने मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए रातभर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। बुधवार सुबह डॉग स्क्वॉड की टीम को भी बुलाया गया। मलबा हटाने के लिए टीम ने बड़ी मशीनें भी मंगवाई हैं। कर्नाटक में इस मुद्दे पर सियायत शुरू हो गई है।

विपक्षी दल जेडीएस ने कांग्रेस पर बेंगलुरु की दुर्दशा करने का आरोप लगाया है। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा आपने देखा होगा कि दुबई और दिल्ली में क्या हो रहा है। देश के कई हिस्सों में ऐसी ही स्थिति है। हम प्रकृति को रोक नहीं सकते, लेकिन हम मैनेज कर रहे हैं। डिप्टी सीएम बोले- बिल्डिंग अवैध रूप से बनाई जा रही थी कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार मंगलवार रात को घटनास्थल पर पहुंचे थे। उन्होंने ही जानकारी दी थी की मलबे में 21 लोग फंसे हुए थे। उन्होंने कहा कि इमारत 60/40 जमीन पर अवैध रूप से बनाई जा रही थी। उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

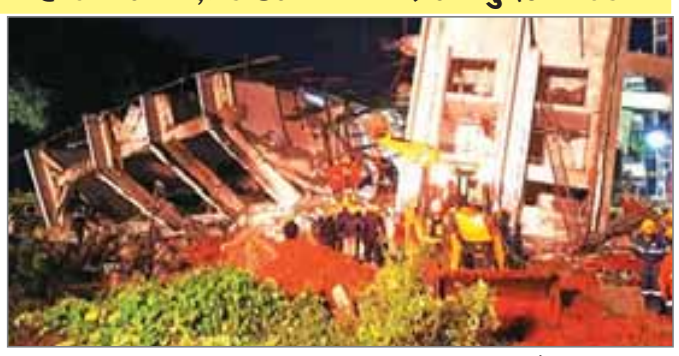

गैंगस्टर अमन साहू लड़ेगा बड़कागांव से चुनाव!

लॉरेंस बिश्नोई गैंग से है खास कनेक्शन,खरीदा नामांकन फॉर्म

रामगढ़ (एजेंसी)। कुख्यात गैंगस्टर और लॉरेंस बिश्नोई गैंग से कनेक्शन का आरोपी अमन साहू झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ेगा। बड़कागांव से कांग्रेस की प्रत्याशी अंबा प्रसाद के खिलाफ अमन साहू चुनाव लड़ेगा। अमन साहू इन दिनों छत्तीसगढ़ पुलिस की गिरफ्त में है और वो जेल से ही चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। बड़कागांव विधानसभा सीट से गैंगसटर अमन साहू की ओर से पर्चा दाखिल करने के लिए बुधवार को नामांकन फॉर्म खरीदा गया। अमन साहू के नाम पर अधिवक्ता विधान चंद्र और संजय घोष ने नामांकन पर्चा खरीदा। नामांकन फार्म खरीदने के दौरान अमन साहू की मां और जीजा भी मौजूद थे। रांची के एक छोटे से गांव मलबे के रहने वाले अमन साहू के खिलाफ 100 से अधिक मामले दर्ज हैं। जानकारों का कहना है कि अमन पहले एक हार्डकोर माओवादी था।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले मणिपुर में सीएम बदलने की चर्चा

2 दिन में भाजपा घोषणा कर सकती है,19 विधायकों ने पीएम से की थी मांग

इम्फाल (एजेंसी)। आखिर 540 दिन की अशांति के बाद मणिपुर में सरकार का नेतृत्व बदलने की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। चर्चा है कि महाराष्ट्र में चुनाव अभियान शुरू होने से पहले भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व मणिपुर में लीडरशिप बदलने का फैसला ले सकता है। वर्तमान मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह को लेकर मैतेई विधायक दो खेमों में बंट गए हैं। हाल ही में 19 भाजपा विधायकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी थी। उसी के बाद इंफाल से लेकर दिल्ली तक कार्यवाही शुरू हो चुकी है। राज्य में भाजपा के 32 विधायक हैं, इन्हीं में से 19 केंद्रीय नेतृत्व को स्पष्ट कर चुके हैं कि बीरेन को हटाए बिना शांति नहीं आ सकती। पार्टी नेतृत्व ने इसे गंभीरता से लिया है और बीरेन और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शारदा देवी को बुलाया है। दोनों अभी दिल्ली में हैं। अगले दो-तीन दिन में फैसला हो सकता है। अगले सीएम के लिए 4 नामों पर चर्चा हो रही है। इसमें विधानसभा अध्यक्ष सत्यब्रत सिंह का नाम सबसे ऊपर है। पीएम को 6 पेज की जो चिट्ठी लिखी गई थी, उसमें विधानसभा अध्यक्ष सत्यब्रत के हस्ताक्षर सबसे ऊपर हैं।

इन पर सभी 19 विधायक राजी हुए थे। मणिपुर विधानसभा के एक विधायक ने बताया कि सभी 19 विधायक हरियाणा चुनाव से पहले पीएम को चिट्ठी लिखने वाले थे, लेकिन पीएमओ में दखल रखने वाले एक नेता ने उन्हें रुकने के लिए कहा। इसके बाद 15 अक्टूबर को जब गृह मंत्रालय ने कुकी, नगा और मैतेई विधायकों को बातचीत के लिए बुलाया। इस 1 घंटा 50 मिनट की मुलाकात में से 1 घंटा अकेले कुकी विधायकों को दिया गया। कुकी विधायकों ने शांति के लिए पहली शर्त बीरेन सिंह को हटाने की रखी। जब मैतेई विधायकों से मंत्रालय के अफसरों ने लीडरशिप बदलने के बारे में पूछा तो किसी ने भी मना नहीं किया। लिहाजा, पार्टी नेतृत्व इस दिशा में आगे बढ़ गया। दिल्ली से विधायकों के इंफाल लौटते ही जिरिबाम में हिंसा हो गई। विधायकों ने पीएम को चिट्ठी भेज दी, जिसके दो पेज लीक हो गए।

स्वस्थ किशोर ही कल के स्वस्थ माता-पिता बनेंगे : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि राज्य सरकार सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने, मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) और शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) को कम करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के साथ किशोर स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्वस्थ किशोर ही कल के स्वस्थ माता-पिता बनेंगे। किशोरावस्था में एनीमिया जैसी समस्याओं का समाधान करना न केवल उनके व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए, बल्कि समाज में सुरक्षित मातृत्व और समग्र स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार के लिए अत्यंत आवश्यक है। 'एनीमिया मुक्त भारत' (एएमबी) कार्यक्रम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत, महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य समाज को एनीमिया मुक्त बनाना है। इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन स्वास्थ्य, शिक्षा, और महिला एवं बाल विकास विभागों के समन्वय से किया जाता है। यह कार्यक्रम प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भविष्य में सुरक्षित मातृत्व और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है।

एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम में नोडल शिक्षक श्रीमती ऋतु के उत्कृष्ट कार्य को सराहा: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने शाहपुर विकासखंड के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ग्राम भौरा में एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम की नोडल शिक्षक, श्रीमती ऋतु शुक्ला के नवाचार की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह अनुकरणीय प्रयास है। एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन कर सभी छात्राओं को नियमित रूप से आयरन अनुपूरण सुनिश्चित कराकर, एनीमिया मुक्त बनाने के लिये ऐसे समर्पित प्रयास आवश्यक हैं। नोडल शिक्षक श्रीमती ऋतु शुक्ला ने कक्षा 9 से 12 तक की 385 बालिकाओं को नियमित रूप से आयरन अनुपूरण कराने और इसका महत्व समझने के लिए छात्राओं की सहभागिता को प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्राओं के सहयोग से एक संरचनात्मक व्यवस्था लागू की है। इसके तहत 'स्वास्थ्य मंत्री' के रूप में एक छात्रा, कु. साक्षी यादव (कक्षा 9) का चयन किया गया है, जिसे आईएफए (आयरन फॉलिक एसिड) गोलियों के वितरण की जिम्मेदारी दी गई है। इस व्यवस्था में अन्य छात्राएं भी सहायक की भूमिका निभाती हैं। श्रीमती ऋतु ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से समन्वय कर तीन माह के लिए पर्याप्त आयरन की गोलियां प्राप्त कीं और उनका एक स्टॉक रजिस्टर तैयार किया। सहायक शिक्षिका श्रीमती सुमन परिहार को कार्यकारी नोडल के रूप में कार्य करती हैं। जिससे अनुपस्थिति में भी यह व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके। साथ ही कक्षा शिक्षकों को प्रोत्साहित किया गया कि वे अपनी कक्षा में आयरन अनुपूरण की जानकारी उपस्थिति रजिस्टर में दर्ज करें। यह व्यवस्था विद्यालय में नियमित रूप से आयरन की गोलियों का वितरण और उनका सेवन सुनिश्चित करती है।

व्यवहार परिवर्तन और जागरूकता से पूरा समाज होगा एनीमिया मुक्त: श्रीमती शुक्ला कहती हैं कि एक बालिका यदि आयरन अनुपूरण द्वारा एनीमिया मुक्त होती है, तो वह अपने पिता के घर में यह संदेश प्रसारित करेगी, साथ ही विवाह पश्चात् आने वाली पीढ़ी के व्यवहार परिवर्तन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रकार शाला की सभी 385 बालिकाओं को एनीमिया मुक्त करने से पूरा समाज एनीमिया मुक्त हो सकता है।

राज्यपाल से अंडर-17 राष्ट्रीय उपविजेता गर्ल्स फुटबॉल टीम ने की शिष्टाचार भेंट

- सेंट जोसफ़ स्कूल की बेटियों की उपलब्धि पर दी बधाई और शुभकामनाएँ

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से सीबीएससी बोर्ड की अंडर -17 राष्ट्रीय उपविजेता गर्ल्स फुटबॉल टीम ने राजभवन के बैंक्वेट हॉल में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल ने उपविजेता टीम की कप्तान यति शर्मा के नेतृत्व में सभी सदस्यों से चर्चा कर परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि बेटियों की उपलब्धि पर हम सभी को गर्व है। उन्होंने काह कि जीवन में हमेशा आगे बढ़ते रहने और उपलब्धियों से अपने परिवार, माता-पिता स्कूल और प्रदेश का नाम रोशन करें। विदित हो कि सीबीएससी बोर्ड की अण्डर-17 गर्ल्स फुटबॉल प्रतियोगिता का फ़ाइनल मैच चेन्नई में खेला गया। टूर्नामेंट में भारत की कुल 32 टीमों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्राचार्य श्री रोनाल्ड एम. वॉन, सेंट जोसफ़ भी उपस्थित रहे।

बुनकरों के कल्याण के लिये संकल्पित है डबल इंजन सरकार : राज्यमंत्री श्री जायसवाल

भोपाल (नप्र)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि बुनकरों के कल्याण के लिये केन्द्र एवं राज्य की डबल इंजन सरकार संकल्पित होकर कार्य कर रही है। बुनकर मुद्रा योजना के अंतर्गत बुनकरों को 50 हजार से 5 लाख रूपये तक की ऋण सुविधा प्रदान की गई है। केन्द्र सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा बुनकरों को कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराने के लिये बुनकर मुद्रा योजना प्रारंभ की गई है। योजना में व्यक्तिगत बुनकर, उद्यमी स्वसहायता समूह, हाथकरघा संगठन, प्राथमिक हाथकरघा बुनकर सहकारी समितियां, शीर्ष हाथकरघा बुनकर सहकारी समितियाँ, राज्य हाथकरघा निगम, मेगा क्लस्टर एवं हाथकरघा उत्पादक कंपनियां शामिल हैं।

पचमढ़ी में रात का तापमान 17 डिग्री से कम

- म.प्र.में मौसम के 3 सिस्टम की वजह से बारिश; 25 अक्टूबर से पूर्वी हिस्सा भी भीगेगा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के हिल स्टेशन पचमढ़ी में इन दिनों दिन और रात दोनों ही सबसे ठंडे हैं। यहां रात का तापमान 17 डिग्री सेल्सियस से कम है। ऐसा ही मौसम आगे भी बना रहेगा। फिलहाल, प्रदेश में 3 सिस्टम का असर है। लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से पिछले 8 दिन से राज्य के दक्षिणी हिस्से में बारिश का दौर जारी है। मंगलवार को भी कई जिलों में बारिश हुई। खंडवा में करीब पौने 2 इंच पानी गिर गया। इंदौर में शाम होते ही बारिश शुरू हुई तो आलीराजपुर भी भीग गया।

अभी यह सिस्टम एक्टिव

बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया सक्रिय है। वहीं, देश के पश्चिमी, दक्षिणी और पूर्वी हिस्से में 3 साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव हैं। इनमें से एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर एमपी के पश्चिमी-दक्षिणी हिस्से में देखने को मिल रहा है।

अगले 24 घंटे साफ रहेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे में बारिश होने का अनुमान नहीं है। एक सिस्टम बंगाल की खाड़ी में एक्टिव है। जिसका असर 25 अक्टूबर से देखने को मिल सकता है। खासकर पूर्वी हिस्से के जिलों में गरज-चमक और बादल की स्थिति बन सकती है।

छात्र की सुसाइड का लाइव वीडियो, मौत

प्रेमिका से बोला- मुझे धोखा दिया; अब खुश रहना, जा रहा हूं...

सीहोर (नप्र)। नसरूल्लागंज में रहने वाले एक छात्र ने कोल्ड्रिंक में कीटनाशक मिलाकर पी लिया। हैरानी की बात ये है कि उसने सुसाइड का एक लाइव वीडियो भी शूट किया और अपने कजिन सहित दोस्तों को सेंड किया। सूचना पर परिजनों ने उसे बेसुध हालत में उठाया और इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल भोपाल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान बुधवार की सुबह उसकी मौत हो गई। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। घटना मंगलवार शाम की बताई जा रही है।

वीडियो में युवक ने प्रेमिका से क्या कहा...

मेरा नाम अभिषेक यदुवंशी है, मैं छींदगांव मोजी में रहता हूं...एक लड़की से बेहद प्यार करता हूं। उससे शादी करना चाहता हूं। अचानक उसने शादी करने से इंकार कर दिया है। मैंने उसे कहा था तूने शादी नहीं की, मुझे धोखा दिया है। मैं आत्महत्या कर लूंगा। उसे मेरी बात पर भरोसा नहीं है। उसने कहा जो करना है कर लो, अब देखो मैं जान दे रहा हूं। मम्मी-पापा मुझे माफ करना...इसके बाद अभिषेक कोल्ड्रिंक बोतल में कीटनाशक मिलाकर पी लेता

है। बीच में रुकता है और कहता है कि अब बेटा तू खुश रह.... इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो युवक ने अपने दोस्तों और एक कजिन को सेंड किया, उन्होंने परिजनों को सूचना दी। जिसके बाद सभी ने उसकी तलाश की और इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उसे भोपाल के हमीदिया अस्पताल में रिफर कर दिया।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की

नसरुल्लागंज पुलिस के अनुसार अभिषेक यदुवंशी (22) पुत्र महेश कुमार यदुवंशी छींदगांव मोजी का रहने वाला था। एक प्राइवेट कॉलेज से बीए प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। अस्पताल की सूचना पर मामले में मर्ग कायम कर लिया है। पंचनामा के बाद बुधवार को शव परिजनों को सौंप दिया है। शुरुआती जांच में प्रेम प्रसंग के चलते जान देने की बात सामने आई है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

3 भाई के परिवार में इकलौता बेटा

मृतक के पिता महेश कुमार यदुवंशी ने बताया कि वह प्राइवेट काम करते हैं। अभिषेक उनका इकलौता बेटा था। लड़की के चक्कर में बेटे ने आत्महत्या कर ली। मेरा सब कुछ चला गया। उसने एक बार नहीं सोचा कि उसके बाद हमारा गया होगा। अभिषेक मेरे 3 भाई के बच्चों में भी परिवार का इकलौता बेटा था। मंगलवार को कॉलेज जाने का बोलकर ड्रेस में घर से निकला था। हाल ही में उसे नई बाइक दिलाई थी, वह घटना स्थल पर ही मिली है। मंगलवार की शाम को उसके दोस्तों ने बेटे द्वारा जहरीला पदार्थ पीने की सूचना दी थी। उसे बेसुध हालत में घर से 22 किलोमीटर दूर चीच गांव नर्मदा किनारे से उठाया और अस्पताल पहुंचाया, बुधवार की सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

हर व्यक्ति के सुख-दुख की साथी है मध्यप्रदेश सरकार : जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट

मंत्री श्री सिलावट ने अनुकंपा नियुक्ति-पत्र किए वितरित

- जल संसाधन विभाग ने गत 4 वर्ष में 299 व्यक्तियों को अनुकंपा नियुक्ति दी

भोपाल (नप्र)। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार हर व्यक्ति के सुख-दुख की साथी है। जन-कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार निरंतर विकास और लोक कल्याण के कार्य कर रही। जल संसाधन विभाग में वर्ष 2020 से 4 वर्षों में अब तक 299 व्यक्तियों को अनुकम्पा नियुक्ति दी गई है, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। मंत्री श्री सिलावट, जल संसाधन भवन में हितग्राहियों को अनुकंपा नियुक्ति-पत्र वितरित कर रहे थे। उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त करने वालों को पुष्प-गुच्छ भेंट कर और मिठाई खिलाकर कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सभी अच्छे से मन लगाकर काम करें। कोई भी दिक्कत या परेशानी हो तो बताएं, सरकार उनके साथ है। परिवार का ध्यान रखें और अपने परिजन को न भूलें, जिनकी वजह से आपको आज अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त हुई है। मंत्री श्री सिलावट ने जिन व्यक्तियों को अनुकंपा नियुक्ति-पत्र प्रदान किए उनमें श्री संतोष दुबे सिवनी मालवा, श्री लोकेश मंडलोई सनावद, श्रीमती ममता श्रीवास्तव अम्बाह, श्री अजय परते भोपाल, श्री अभिषेक धुर्वे भोपाल, श्री अभय राज अहिरवार निवाड़ी, श्रीमती सोनिया वर्मा जबलपुर, कुमारी अर्पिता त्रिवेदी भोपाल, श्री आदर्श सोनकर कटंगी, श्री कृष्ण कुमार साकेत रीवा, श्रीमती अभिलाषा तिवारी देवलोंद, श्री अभिषेक सिंह परिहार झाबुआ, श्री राजेंद्र सिंह ठाकुर सागर और श्री ऋतिक ठाकुर सागर आदि शामिल हैं।

उज्जैन में मिला दुर्लभ इंडियन पेंटेड मेंढक

विशेषज्ञों ने कहा- ये कभी भी मालवा क्षेत्र में नहीं मिला, वन विभाग की नर्सरी में छोड़ा

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में एक ऐसा दुर्लभ मेंढक मिला है जो आज तक मालवा की धरती पर नहीं देखा गया है। इंडियन पेंटेड या श्रीलंका फ्रॉग

के नाम से पहचाने जाने वाले दुर्लभ मेंढक को वन मंडल अधिकारियों के घर के बाहर से पकड़ा है। वन्य जीव विशेषज्ञ विवेक पगारे ने बताया कि मंगलवार को वन मंडल क्वार्टर में सांप पकड़ने के लिए कॉल आया था। जब में सांप को निकाल रहा था, उस दौरान मुझे इंडियन पेंटेड फ्रॉग मिला। ये मेंढक मालवा में कभी भी नहीं मिला है। यह पहली बार था जब इस प्रजाति का मेंढक मिला हो। इसकी सूचना तत्काल हमने वन मंडल अधिकारी को दी। जिसके बाद वन विभाग की नर्सरी में इस मेंढक को छोड़ दिया गया। विवेक पगारे ने बताया कि इंडियन पेंटेड मेंढक साउथ में अधिक वर्षा वाली जगह पर पाया जाता है। मालवा में नहीं मिलता है। मध्य प्रदेश के रीवा में जरूर देखा गया है। उज्जैन में पहली बार मिला है। यह जमीन में गड्ढा करके रहता है। जहां हवा पानी अच्छा हो वहीं पर पाया जाता है। दुर्लभ मेंढक कान्हा किसली और सतपुड़ा के जंगलों में पाया जाता है। दक्षिण भारत में भी रेन फारेस्ट में ज्यादा मिलता।

18 दुकानें तोड़ने 6 दिन की और मोहलत

भोपाल मेट्रो के दूसरे फेज में टूटेंगी पक्की दुकानें; एसडीएम ने निरीक्षण किया

भोपाल (नप्र)। भोपाल मेट्रो के दूसरे फेज में आड़े आ रही 18 पक्की दुकानों को तोड़ने के लिए 6 दिन की मोहलत और दी गई है। एसडीएम आशुतोष शर्मा ने बुधवार को मौके पर जाकर निरीक्षण किया और दुकानदारों से बात की। दुकानें न हटाने की स्थिति में प्रशासन सख्ती करेगा। शहर वृत्त एसडीएम शर्मा ने बताया, मेट्रो और नगर निगम के अधिकारियों के साथ आजाद नगर में निरीक्षण किया है। दुकानदारों को अगले मंगलवार यानी, 29 अक्टूबर तक की मोहलत दी गई है। इस अवधि में उन्हें अपना निर्माण हटा लेना है।

अतिक्रमण हटाने पर पूरा फोकस: मेट्रो का दूसरा फेज सुभाष नगर डिपो से करोंद तक कुल 8.77 किमी है। यह काम भी दो हिस्से में होगा। दोनों पर कुल 1540 करोड़ रुपए खर्च होंगे। मिट्टी की टेस्टिंग, डिजाइन समेत

अन्य काम हो चुके हैं। अब अतिक्रमण हटाने पर फोकस है। ताकि, सिविल के काम जल्दी शुरू हो सकें। सितंबर में पुल बोगदा और आजाद नगर में कुछ अतिक्रमण हटाया गया था, लेकिन पक्की दुकानों को हटाने के लिए 10 दिन की मोहलत दी गई थी। लोगों ने खुद अपनी दुकानें हटाने की सहमति दी थी, पर उन्होंने नहीं हटाई। इसलिए अब अंतिम मोहलत दी गई है।

आरा मशीनें भी हटेंगी

पुल बोगदा के पास के 108 आरा मशीन और फर्नीचर कारोबारी है। इन्हें रातीबड़ में बसाया जाएगा। वहां पानी, बिजली, सड़क जैसी अन्य सुविधाओं के लिए 6 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इन आरा मशीनों को भी जल्द हटाया जाएगा।

तीस करोड़ से अधिक भुगतान पर गाइडलाइन का पालन नहीं

फाइनेंस ने कहा- जो व्यवस्था तय, उसके आधार पर भुगतान के लिए प्रस्ताव भेजें विभाग

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के निर्माण विभाग और वन विभाग के अफसर तीस करोड़ रुपए से अधिक के भुगतान को लेकर वित्त विभाग द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन नहीं कर रहे हैं। इसके लिए विभागों को छह माह पहले भुगतान प्रस्ताव में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया का पालन करने के लिए भी कहा गया है। खास बात यह है कि जब पेमेंट के लिए फाइनेंस के पास प्रस्ताव भेजा जाएगा तो केंद्र से सहायता वाली योजनाओं के मामले में विभाग को सिंगल नोडल एजेंसी के नाम पर खोले गए बैंक खाते की कॉपी भेजना होगी। बाकी योजनाओं में भी यह प्रतिबंध रहेगा कि जो राशि आहरित होगी वह विभाग बैंक खाते में जमा करके नहीं रखेगा। वित्त विभाग ने कहा है कि वर्ष 2024-25 के लिए तय निर्माण कार्य विभागों के साथ वन विभाग के डब्ल्यूडीडीएफ और एफडीडीएफ के बिलों सहित केंद्र से सहायता प्राप्त योजनाओं के लिए तीस करोड़ रुपए से अधिक के बिल वित्त विभाग की परमिशन से ही जारी किए जाएंगे। इसके लिए सभी विभागों के

एसीएस, प्रमुख सचिव, सचिव तथा विभाग प्रमुखों को निर्देश जारी किए गए हैं। राज्य सरकार ने सभी विभागों से कहा है कि इस तरह के भुगतान को लेकर जो गाइडलाइन जारी की है, उसके आधार पर भुगतान के प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजें ताकि भुगतान की प्रक्रिया का पालन होने पर अनुमति दी जा सके।

इन बातों का रखना होगा ध्यान

- भुगतान के लिए जो प्रस्ताव भेजे जाने हैं उसमें बजट आवंटन और खर्च के लिए तय तिमाही समय सीमा में उपलब्ध बजट का ध्यान विभागों को रखना होगा।
- वित्त विभाग द्वारा पूर्व में जारी निर्देश में कहा गया था कि विभाग द्वारा नियमानुसार प्रस्तुत किए जाने वाले प्रस्तावों पर ही भुगतान के लिए अनुमति दी जाएगी।
- सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति के आदेश की कॉपी।
- आहरण संवितरण अधिकारी (डीडीओ) का नाम जिसके द्वारा राशि का विदड्रावल किया जाएगा।
- कोषालय का नाम जिसमें विदड्रावल के लिए बिल लगाया जाएगा।
- बजट प्रावधान जो जारी किया गया और जिसका आवंटन शेष है, उसका सर्टिफिकेट।
- निकाली जाने वाली राशि बैंक खातों में जमा नहीं कर सकेंगे अफसर
- विभाग ने यह भी साफ कहा है कि अधिकारी यह सर्टिफिकेट भी जारी करेंगे कि केंद्र प्रवर्तित और केंद्र क्षेत्रीय योजनाओं के अलावा अन्य मामलों में विदड्रा की जाने वाली राशि निकालने के बाद बैंक खाते में जमा नहीं रखी जाएगी। केंद्र सरकार के निर्देश के मुताबिक केंद्र प्रवर्तित और केंद्र क्षेत्रीय योजनाओं की राशि निकालने के बाद एसएनए (सिंगल नोडल एजेंसी) बैंक खाते में ही रखी जाएगी। भुगतान के संबंध में वित्त विभाग को योजना के अंतर्गत संचालित बैंक खाते की पासबुक की कॉपी भी भेजना होगी।

जबलपुर मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर पर फायरिंग

- बाइक सवार 3 नकाबपोशों ने किया हमला; छोटे भाई के कंधे में लगी गोली

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर और उनके छोटे भाई पर बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। कंधे में गोली लगने से छोटा भाई घायल हो गया। डॉक्टर ने झुककर जान बचाई। हमला मंगलवार देर रात 11 बजे जबलपुर-भोपाल हाईवे पर हुआ। घायल को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। बयान दर्ज करके पुलिस हमलावरों को तलाश रही है। सीएसपी समेत भेड़ाघाट थाना पुलिस ने मौके का मुआयना किया है।

डिनर के बाद कार से घूमने निकले थे: छिंदवाड़ा के रहने वाले दीनू डोंगरे (37) एलएलएम की पढ़ाई कर रहे हैं। सिविल जज का एग्जाम देने के लिए कुछ दिन पहले छिंदवाड़ा से जबलपुर आए थे। यहां बड़े भाई डॉ. रविशंकर के पास रुके थे, जो जबलपुर के नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सर्जरी डिपार्टमेंट में हैं। मंगलवार रात को डिनर के बाद रात 11 बजे दीनू और रविशंकर कार से जबलपुर-भोपाल हाईवे पर घूमने निकले। बायपास पर सड़क किनारे कार खड़ी कर दोनों भाई बात करने लगे।

संपादकीय

सांसद का असंसदीय आचरण

वक्फ संशोधन बिल को लेकर (गठित संयुक्त संसदीय समिति) जेपीसी की बैठक में मंगलवार को जो कुछ हुआ, वह न केवल शर्मनाक है बल्कि यह सवाल खड़ा करता है कि अगर सांसद ही असंसदीय आचरण करेंगे तो आम लोगों से क्या उम्मीद की जाए? दूसरे, क्या राजनेता अपने राजनीतिक स्वार्थों की खातिर एक दूसरे को मारने दौड़ेंगे? जेपीसी की बैठक में जो हुआ, उस पर पहले तो सभी ने चुप्पी साध ली। बाद में जेपीसी अध्यक्ष अंबिकाप्रसाद पाल ने सच्चाई बयान की तो समूचा देश हैरान रह गया। बैठक में तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बैनर्जी ने उनके ही राज्य के भाजपा सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय से बहस के बाद बैठक में रखी पानी की बोतल तोड़ी और अध्यक्ष की तरफ फेंकी। अध्यक्ष पाल बाल बाल बचे। इस बैठक पर भी घटिया राजनीति शुरू हो गई है। हालांकि पूरे मामले पर पर्दा डालने की कोशिश भी की जा रही है। सांसद कल्याण बैनर्जी को जेपीसी की बैठक से एक दिन के लिए निलंबित भी कर दिया गया है। गौरतलब है कि वक्फ बिल पर बनी जेपीसी की हर बैठक में तीखे आरोप प्रत्यारोप और गर्मागर्म बहस तो होती रही है। विपक्ष नहीं चाहता कि यह बिल पास हो, क्योंकि उस पर मुस्लिम वोटों का दबाव है। दूसरी तरफ भाजपा व एनडीए से जुड़े सांसद बिल को पूरी तरह जायज ठहरा रहे हैं। तीखे मतभेदों के बावजूद मामला हाथापाई तक जा पहुंचेगा, यह किसी ने भी नहीं सोचा होगा, जो कल्याण बैनर्जी ने कर दिखाया। इस अनहोनी के बाद जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि जेपीसी की बैठक में कल जो घटना हुई है, उसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि समिति की बैठक में भाजपा सांसद बृजलाल सिंह बोल रहे थे। इसी दौरान किसी सदस्या ने अपनी आपत्ति जताई, जिसके बाद कल्याण बनर्जी बीच में आ गए और गालियां देने लगे। इसके बाद कल्याण बनर्जी ने पहले बोतल को तोड़ा और उसके बाद उसे फेंका, जो मेरे सामने आकर गिरी। अगर बोतल मेरे ऊपर गिर जाती तो मेरी आंख भी जा सकती थी। जगदंबिका पाल ने कहा कि बनर्जी ने बोतल को तोड़ा तो उनके हाथ में भी चोट आई है। फिर भी वो अपने गुस्से को कंट्रोल नहीं कर पाए। कल को कोई रिवाल्वर भी लेकर आ सकता है। हमने भारी मन से सांसद बनर्जी को सस्पेंड करने का फैसला लिया है। सांसद का इस तरह का आचरण स्वीकार्य नहीं है। वैसे ममता बैनर्जी के वफादार माने जाने वाले और सेरामपुर से सांसद कल्याण बैनर्जी का ऐसा अभद्र आचरण पहली बार नहीं है। इससे पहले उन्होंने राज्यसभा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री की थी। 2009 में उन्होंने पश्चिम बंगाल के तत्कालीन सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य पर अशिष्ट टिप्पणी की थी। इसके तीन साल बाद यूपीए-2 सरकार के समय उनकी तत्कालीन केन्द्रीय मंत्री आनंद शर्मा से तीखी बहस हो गई थी। नोटबंदी के समय भी कल्याण बैनर्जी ने पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी की थी। आश्चर्य की बात तो यह है कि अपने असंसदीय आचरण पर ग्लानि के बजाए कल्याण बैनर्जी यह कह रहे हैं कि नॉन सेक्युलर फोर्सेस के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी। दुर्भाग्य से जेपीसी की बैठक में हुई इस लज्जास्पद घटना पर सियासत भी शुरू हो गई है। डीएमके सांसद राजा ने आरोप लगाया कि भाजपा के अनुभवी सांसद पाल जल्दबाजी में समिति की बैठकें कर रहे हैं, जिससे यह संदेह पैदा होता है कि यह समिति न्याय देने में सक्षम नहीं होगी। जबकि भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि बोतल फेंकने वाले ये वही लोग हैं, जो रात-दिन संविधान और लोकतंत्र को बचाने की बात करते हैं।

नजरिया

विवेक शुक्ला

लेखक स्तंभकार हैं।

क्या नोएल लाएंगे टाटा संस का आईपीओ

अपने अग्रज रतन टाटा की तरह नोएल टाटा की भी एक बहुत साफ-सुथरी इमेज रही है। अब वे टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमेन बन गए हैं, इसलिए माना जा सकता है कि वे अपने नए रोल में टाटा ग्रुप को बुलंदियों पर लेकर जाएंगे। दरअसल पारसी बीती कई सदियों से, अपनी दूर दृष्टि, मेहनत और नवाचार के साथ भारत के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। इन्होंने भारत के औद्योगिक इतिहास में अपनी अलग पहचान बनाई है। नोएल टाटा उसी परंपरा को आगे बढ़ाते रहना चाहेंगे।

देखिए नोएल टाटा के ट्रस्ट्स का चेयरमेन बनते ही देश के कोरपोरेट संसार और रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआई) ने उनसे एक उम्मीद लगानी शुरू कर दी है। नोएल टाटा से उम्मीद यह की जा रही है कि वे टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी, टाटा संस का प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने का रास्ता साफ करेंगे। टाटा संस के अधिकांश शेयर टाटा ट्रस्ट्स के पास हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की अपेक्षा रहती है कि बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (एनबीएफसी) सार्वजनिक होनी चाहिए। मतलब उनका बाजार में आईपीओ आना चाहिए।

आरबीआई के नियमों के तहत सभी नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों को शेयर बाजार में लिस्ट होना ही होगा। जिसकी डेडलाइन सितंबर 2025 तय की गई थी। ऐसी करीब 15 कंपनियों की लिस्ट जारी की गई थी। जिनमें कई कंपनियां लिस्ट हो चुकी है। वहीं जो कंपनियां लिस्ट नहीं हुई हैं, उनमें टाटा संस का भी नाम शामिल है। टाटा संस की ओर से इस मामले में आरबीआई से राहत की मांग की जा चुकी है।

दरअसल कहने वाले कहते हैं वेणु श्रीनिवासन आरबीआई और टाटा संस दोनों के बोर्ड हैं। इसलिए ये सारा मामला हितों के टकराव से संबंधित है। श्रीनिवासन को 14 जून, 2022 को आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड के निदेशक मंडल में चार साल के कार्यकाल के लिए नियुक्त किया गया था। वे टीवीएस मोटर्स के भी चेयरमेन रहे हैं। उनकी भारत के कारपोरेट जगत में बहुत ऊंचा कद है। आरबीआई की इसी तरह की उम्मीद टाटा संस से भी थी कि वह आईपीओ लाएगी। पर यह हो ना सका। अब इस बात की उम्मीद बन रही है क्योंकि टाटा ट्रस्ट की कमान अब नोएल टाटा के पास है। उनके लिए कहा जाता है कि वे नियमों के अनुसार ही चलते हैं। यह तो रतन टाटा के समय ही आ जाना चाहिए था, क्योंकि आरबीआई के नियम टाटा संस पर भी लागू होते हैं।

नोएल टाटा को अपनी क्षमताओं को दिखाने का

मौका पहली बार मिल रहा है। अब वे टाटा संस के आईपीओ को लाने के साथ अपनी नई पारी को धमाकेदार तरीके से शुरू कर सकते हैं। यह हैरानी की बात है कि टाटा संस अब तक आईपीओ नहीं ला सकी। हालांकि उसे रिजर्व बैंक के नियमों के मुताबिक आईपीओ ले आना चाहिए था।

इस बीच, रतन टाटा के निधन से भारतीय उद्योग जगत में पारसी समुदाय के अद्वितीय और महत्वपूर्ण योगदान की बहुत सारे लोगों को जानकारी मिल रही है। पर अब भी यह बताने की भी जरूरत है कि पारसी उद्यमियों जैसे टाटा, गोदरेज, वाडिया, मिस्त्री वगैरह ने आधी दुनिया को अपने यहां आगे बढ़ने के भरपूर अवसर दिए। इंफोसिस फाउंडेशन की चेयरपर्सन सुधा मूर्ति बताती हैं कि वह 1974 में टाटा मोटर्स में इंजीनियर थीं और उनका टाटा समूह के चेयरमेन जेआरडी टाटा से संपर्क रहता था। बताइये आधी सदी पहले कितनी महिला इंजीनियर देश की निजी कंपनियों में काम कर रही थीं।

एक बात और। पारसी औद्योगिक घरानों में संपत्ति विवाद की खबरों का ना होना भी हैरान करता है। यह उनकी सफलता की एक अहम वजह माना जाता है, जो उन्हें अन्य समुदायों से अलग करता है।

लक्ष्य मुनाफा कमाना ही नहीं

दरअसल पारसी बीती कई सदियों से, अपनी दूर दृष्टि, मेहनत और नवाचार के साथ भारत के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। इन्होंने भारत के औद्योगिक इतिहास में अपनी अलग पहचान बनाई है। इनके कारोबार का एक मात्र लक्ष्य अधिक से अधिक मुनाफा कमाना कभी नहीं रहा। ये लाभ कमाने और फिर उस लाभ के बड़े अंश को लोक कल्याण के कामों में खर्च करने में यकीन करते रहे।

पहले बात टाटा समूह से शुरू कर लेते हैं। भारत का सबसे बड़ा व्यावसायिक समूह टाटा 1868 में जमशेदजी टाटा द्वारा स्थापित, अपने शुरुआती वर्षों में कपड़े, होटल और लोहे के कारखाने से लेकर आज तक आईटी, ऑटोमोबाइल जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपना प्रभाव स्थापित कर चुका है। टाटा समूह का योगदान सिर्फ उद्योगों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, अनुसंधान और विकास जैसे क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण है।

टाटा समूह की स्थापना के लगभग दो दशक बाद 1897 में स्थापित गोदरेज समूह के संस्थापक विरजी गोदरेज थे। गोदरेज समूह, अत्याधुनिक तकनीक के साथ उपभोक्ता वस्तुओं, फर्नीचर और अचल संपत्ति जैसे विभिन्न क्षेत्रों में एक प्रमुख नाम है। गोदरेज ने अपने यहां आधी दुनिया को शिखर पर जगह देने में कभी कसर नहीं छोड़ी।

टाटा और गोदरेज से पहले सन् 1736 में स्थापित हो गया था वाडिया समूह। इसका इतिहास भारत के आधुनिक इतिहास के साथ जुड़ा हुआ है। यह समूह शुरुआत में कपड़े के व्यापार से शुरू हुआ और बाद में विमानन, पेय पदार्थ, बैंकिंग, रीयल एस्टेट और अन्य क्षेत्रों में अपना प्रभाव स्थापित किया।

यकीन के साथ कहा जा सकता है नोएल टाटा देश निर्माण में अपना योगदान देते रहेंगे।

विडंबना

अमित बैजनाथ गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

हाथ से मैला ढोना स्वच्छता की राह में रोड़ा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर स्वच्छता की चर्चा की है। इस बार उन्होंने मन की बात कार्यक्रम में उत्तराखंड के उत्तरकाशी में स्थित झाला गांव के जरिए स्वच्छता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि झाला के युवाओं ने अपने गांव को स्वच्छ रखने के लिए धन्यवाद प्रकृति अभियान चलाया हुआ है। इसके तहत गांव में रोजाना दो घंटे सफाई की जाती है। गांव की गलियों में बिखरे कूड़े को समेटकर गांव के बाहर तय जगह पर डाला जाता है। पीएम मोदी ने कहा कि स्वच्छता को लेकर जारी अभियान से हमें ज्यादा-से-ज्यादा लोगों को जोड़ना है। यह अभियान एक दिन अथवा एक साल का नहीं है। यह युगों-युगों तक निरंतर करने वाला काम है। जब तक स्वच्छता हमारा स्वभाव बन जाए, यह तब तक करने का काम है।

जब भी स्वच्छता की बात होगी, तो मैला उठाने वाले लोगों का जिक्र जरूर होगा। उनकी समस्याओं पर बात किए बिना स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करना आसान नहीं होगा। असल में हाथ से मैला ढोने की प्रथा को मैनुअल स्कैवेंजिंग कहा जाता है। यह प्रथा किसी व्यक्ति द्वारा सुरक्षा के बिना और नंगे हाथों से मानव अपशिष्टों को साफ करने, सिर पर रखकर ले जाने या किसी तरह से शारीरिक सहायता से संभालने से जुड़ी है। इसमें अक्सर बाल्टी, झाड़ू और टोकरी जैसे बुनियादी उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता है। हाथ से मैला ढोने की प्रथा को किसी सुरक्षा साधन के बिना और नग्न हाथों से सार्वजनिक सड़कों एवं सूखे शौचालयों से मानव मल को हटाने, सेप्टिक टैंक, गटर एवं सीवर की सफाई करने के रूप में परिभाषित किया गया है।

हालांकि भारत ने मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार का निषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम-2013 के तहत इस प्रथा पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। यह अधिनियम किसी भी व्यक्ति द्वारा मानव मल को उसके निपटान तक मैन्युअल रूप से साफ करने, ले जाने, निपटाने या अन्यथा किसी भी तरीके से हैंडलिंग पर प्रतिबंध लगाता है। यह अधिनियम हाथ से मैला ढोने की प्रथा को अमानवीय प्रथा के रूप में परिभाषित करता है। इससे पहले साल 1993 में देश ने मैला ढोने वालों के रूप में लोगों के रोजगार पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि इससे जुड़ा कलंक और भेदभाव अभी भी बना हुआ है। साल 2020 में हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास (संशोधन) विधेयक लाया गया। यह सीवर की सफाई को पूरी तरह से मशीनीकृत करने, ऑन-साइट सुरक्षा के तरीके अपनाने और सीवर में होने वाली मौतों के मामले में कर्मियों के परिवार को मुआवजा प्रदान करने का प्रस्ताव करता है।

दरअसल, भारत में व्यवसाय और जाति के बीच एक गहरा संबंध है। हाथ से मैला ढोने की प्रथा एक विशेष जाति से संबंधित है। स्वच्छ भारत अभियान इस महत्वपूर्ण विषय का संज्ञान नहीं लेता है। ऐसा क्यों है कि पिछले चार हजार से भी अधिक सालों से एक ही समुदाय के लोग मल-मूत्र उठा रहे हैं? यदि स्वच्छ भारत अभियान को कामयाब बनाना है, तो इस प्रथा को बंद करना होगा। इसके साथ ही इस समुदाय के लोगों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करना होगा। संविधान के अनुच्छेद-17 में छुआछूत के उन्मूलन की बात की गई है, लेकिन आज भी एक विशेष समुदाय द्वारा सिर पर मैला ढोया जाना इस बात का सूचक है कि देश में एक बड़ा तबका अपने मूल अधिकारों की प्राप्ति से भी अभी भी वंचित है। वहीं हाथ से मैला ढोने की प्रथा संविधान के अनुच्छेद-21 का भी उल्लंघन है, जो मानवीय गरिमा के साथ जीवन जीने के अधिकार की गारंटी देता है। वैसे तो भारत में मैला ढोने को कानूनी तौर पर तो प्रतिबंधित कर दिया गया है, लेकिन समस्या यह है कि लोग स्वयं के अपशिष्ट को भी साफ करने को धार्मिक आधार पर एक प्रतिबंधित कृत्य मानते हैं। अतः शौचालयों के गड्ढे भर जाने के डर से वे खुले में शौच करने से भी नहीं कतराते। हाल के वर्षों में सीवर की सफाई के दौरान कई मजदूरों की मौत हो गई, जिन्हें न तो उचित उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं और न ही उनकी सामाजिक सुरक्षा का प्रबंध किया जाता है। इन परिस्थितियों में तो यही लगता है कि स्वच्छ भारत अभियान शायद ही अपने उद्देश्यों की प्राप्ति कर सके। हाथ से मैला ढोने के पीछे की सामाजिक स्वीकृति को संबोधित करने के लिए पहले यह स्वीकार करना और समझना आवश्यक है कि कैसे और क्यों जाति व्यवस्था के कारण हाथ से मैला ढोना जारी है।

कई स्वतंत्र सर्वेक्षणों ने राज्य सरकारों की ओर से यह स्वीकार करने में निरंतर अनिच्छा के बारे में बात की है कि यह प्रथा उनकी निगरानी में प्रचलित है। कई बार स्थानीय निकाय निजी ठेकेदारों को सीवर सफाई कार्य आउटसोर्स करते हैं। हालांकि उनमें से कई फ्लाई-बाय-नाइट ऑपरेटर, सफाई कर्मचारियों के उचित रोल का रखरखाव नहीं करते हैं। श्रमिकों की दम घुटने से मृत्यु होने के मामले में इन ठेकेदारों ने मृतक के साथ किसी भी संबंध से इनकार किया है। हमें सबसे पहले इस बात को समझना होगा कि देश में मैला ढोने की प्रथा अभी भी क्यों कायम है? असल में नौकरियों की कमी के कारण मैनुअल स्कैवेंजर्स अपना जीवन चलाने के लिए इस तरह के काम करते हैं। जल जनित शौचालयों की कमी इसकी राह में एक बहुत बड़ी बाधा है। शहरी क्षेत्रों में इस्तेमाल किया जाने वाला मुख्य शौचालय शुष्क शौचालय है, जो मैनुअल स्कैवेंजिंग का एक प्रमुख कारण है।एक अनुमान के अनुसार, देश में लगभग 26 मिलियन अस्वास्थ्यकर शौचालय हैं। आंकड़ों के अनुसार, देश में हाथ से मैला ढोने वालों में लगभग 42,594 कर्मी अनुसूचित जाति, 421 अनुसूचित जनजाति और 431 अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित हैं। सरकार का दावा है कि वर्तमान में मैनुअल स्कैवेंजिंग में संलग्न लोगों की कोई रिपोर्ट नहीं है और पांच वर्षों (2013-2018) में इस अभ्यास के कारण किसी की मौत की कोई सूचना नहीं है, लेकिन सफाई कर्मचारी आंदोलन के राष्ट्रीय संयोजक के अनुसार, वर्ष 2016 से 2020 के बीच देश भर में इस कार्य से जुड़े 472 कर्मियों की मौत हुई। हाल ही में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने लोकसभा को बताया कि विगत तीन वर्षों (वर्ष 2019 से 2022) में मैनुअल स्कैवेंजिंग के कारण किसी भी व्यक्ति की मृत्यु नहीं हुई है। हालांकि इस अवधि में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय दुर्घटनाओं में करीब 233 लोगों की मृत्यु हुई है।

कुछ मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, देश में कई ऐसी बड़ी संस्थाएं हैं, जहां हाथ से मैला ढोने वाले कर्मी कार्यरत हैं। ऐसी संस्थाएं या तो इन कार्य को ठेकेदारों को आउटसोर्स करने के तरीके ढूंढ लेती हैं, ताकि उन्हें सीधे जवाबदेह या उत्तरदायी न ठहराया जा सके अथवा ऐसे श्रमिकों को स्वीपर के रूप में गलत तरीके से दिखाया जाता है। सरकार की प्रतिक्रिया उदासीनता की गहरी भावना को दर्शाती है। यह समझने की जरूरत है कि समस्या से इनकार करना केवल उसके समाधान में देरी में ही योगदान देता है। सीवर में होने वाली मौतें आज भी एक वास्तविकता है। देश अभी भी हाथ से मैला ढोने वालों के पुनर्वास के मामले में बहुत पीछे है। सरकार की योजना के तहत 40,000 रुपए की एकमुश्त नकद सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण और स्वरोजगार परियोजनाओं के लिए पूंजीगत सब्सिडी प्रदान करती है। हालांकि अभी भी इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता है।

असल में सरकार और समाज को इस मुद्दे पर सक्रिय रूप से रुचि लेने की जरूरत है और इस प्रथा का सही आकलन कर इसके उन्मूलन के लिए सभी संभावित विकल्पों पर गौर करने की आवश्यकता है। हाथ से मैला ढोने की प्रथा को समाप्त करने के लिए समस्या के मूल को समझना अनिवार्य रूप से आवश्यक है। कोई और कार्य कर सकने के लिए कौशल की कमी एवं समाज की ओर से भेदभाव वे प्रमुख कारण हैं, जिसके कारण कुछ लोग आज भी ऐसे कार्यों को करने के लिए मजबूर हैं। यह सभी स्तरों पर सरकार, गैर-सरकारी संगठनों, स्वास्थ्य अधिकारियों और सामाजिक समुदायों की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वे स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों, स्वच्छता संबंधी प्रथाओं और स्वच्छता प्रक्रियाओं के विषय में हाथ से मैला उठाने वाले समुदाय के बीच जागरुकता पैदा करें। इसके साथ ही आम आदमी को भी हाथ से मैला ढोने संबंधी कार्य में किसी कामगार को नियोजित करने से संबद्ध कानूनी नियमों से अवगत कराया जाना चाहिए।

अहम की फैक्ट्री से गुजरता साहित्य का रास्ता

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह

लेखक स्तंभकार हैं।

लेखन मात्र एक विधा ही नहीं बल्कि एक साधना जैसा है। हमने हमेशा यह सीखा है कि अगर समाज को कुछ अच्छा देना है तो साहित्य भी एक माध्यम हो सकता है। इसलिए साहित्य को समाज का आईना कहा जाता है। पर आजकल जैसे आईने पर धूल जम गई है। हर किसी के भीतर लेखक बनने की होड़ सी लगी हुई है, लेकिन पढ़ने या लिखने से कही अधिक छपने की लालसा रहती है। इससे होड़ में आजकल वटस-अप ग्रुप बना दिए जाते है। कई बार इन्हीं तथाकथित ग्रुप साहित्यिक संस्थाओं का आवरण ओढ़ लेते है और एक अलग ही आभासी दुनिया में पहुंच जाते है। जहां तथाकथित ग्रुप के अध्यक्ष स्वयं को ही अधिकार दे देता है कि जो हमारी प्रशंसा करे या हमारी हाँ में हाँ मिलाए वही रचनाकार है, वरना उसका कोई अस्तित्व ही नहीं है। आजकल रचनाकारों को लिखने से अधिक प्रसिद्ध होने की इच्छा बनी रहती है, किसके कितने और किससे सम्बन्ध है, इसी बात से अंदाजा लगाया जाता है कि वह कितना बड़ा लेखक है, चाहे लिखा उसने कुछ भी ख़ास ना हो, और इन्हीं चापलूसों से अपने अहम को पूरा करवाते कुछ संस्थाओं के सदस्य जिनका मूल किसी को लेखक के रूप में स्वीकार करना नहीं होता बल्कि अपने को सर्वश्रेष्ठ बताना होता है।

इनको देखकर तो ऐसा लगता है कि लेखक क्या किसी फैक्ट्री में बनते है जो आप जब तक नहीं मटेरियल नहीं डालेंगे तब तक लेखक नहीं बन पायेंगे। पलट कर इनसे कोई पूछ ले कि साहित्य में आपका क्या योगदान है तो बगले झांकने लगेंगे। कुछ पुरुष लेखक भी अपने स्वभाव से दूसरों को नीचा दिखाने की नाकामयाब कोशिश करते ही रहते है। फला लेखक को अपनी संस्था से दूर करते है, पूछने पर जवाब आता है कि वह जी हमारी बातों में हामी नहीं भरते । हंसी आ जाती है ऐसे लेखकों पर जो लेखन तो मात्रा का भी नहीं जानते लेकिन गली-कूचे के छुटभैये नेता की तरह अपना अहंकार साधने में लगे रहते है, क्योंकि उनको पता है कि दो चौराहे छोड़कर उनको कोई ना तो जानता है और ना ही कभी जान पाएगा।

एक जगह से दूसरी जगह अपने आपको किसी भी स्टेज पर ले जाने की जद्दोजहद करने में लेखन तो भूल ही जाते है। आज तुम मेरी तारीफ़ करो कल मैं तुम्हारी करूंगा। इस सिद्धांत को साहित्य के गलियारों में गाते हुए घूमते है। किसी भी प्रसिद्ध लेखक के साथ अपनी फोटो खिचवाते हुए अपनी हंसी रोक लेते हैं, क्योंकि भीतर से वह जानते हैं कि वह तो स्वयं ही हंसी का पात्र बने हुए है।

इस सबको देखते हुए पाठकों को छोड़िए, कुछ लेखकों में भी अध्ययन की कमी आ गई है। आज के दौर में लेखक जन सरोकार से ना जुड़कर आभासी दुनिया को ही सच मानने लगे हैं, जो कुछ साहित्यिक संस्थाओं द्वारा बनाई गई है। दुःख की बात है जो संस्थाएं सच में साहित्य के प्रति अपना योगदान दे रही है उन पर भी प्रश्न चिंह लगाते हैं।

मेरी शर्ट भी सफेद तेरी शर्ट भी सफेद इस पंक्ति को कुछ अधिक ही गम्भीरता से ले लिया गया है। आप आमतौर पर देखें कि कुछ समय पहले अगर एक लेखक किसी संस्था का मात्र सदस्य है तो वह नाराज़ होकर संस्था या संस्था के लोगों पर आरोप लगा देगा या देगी, लेकिन अगले ही पल अगर उसे उस संस्था पर किसी पद पर नियुक्त कर दिया जाता है तब उन्हीं के बोल मिश्री में घुलने लगते है।

साहित्य में राजनीति चिंता का विषय है। साहित्य को राजनीति का नहीं बल्कि विचार और प्रेरणा देने के साथ आनन्द देने वाला होना चाहिए। और यदि आपको कुछ तथाकथित संस्थाओं द्वारा बैन कर दिया जाए तो निराश ना हो, बल्कि स्वयं की पीठ थपथपाए की आप सर्कस की उस कतार में नहीं है, जहां सब जोकर बैठते हैं। बल्कि आप रचनात्मकता की ओर है जो आपको पहचान और सम्मान दिलाएगा।

लेखक किसी फैक्ट्री में बनाए नहीं जा सकते। यह तो माँ सरस्वती की साधना है जितना करोगे उतना ही फल पाओगे।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

यशवंत गोरे

(व्यंग्यकार एवं लेखक)

मानसून का विदाई समारोह

जैसे ही मौसम वैज्ञानिकों ने मानसून की विदाई की घोषणा कर दी वैसे ही सभी संबंधित विभागों और प्रभावित लोगों ने उसके विदाई समारोह की तैयारी शुरू कर दी गई। समारोह में किस-किस को आमंत्रित किया जाए इसकी सूची तैयार की गई। मानसून के आने से किसको नफा- नुकसान हुआ सभी को इस सूची में शामिल किया गया। किसी भी कार्यक्रम की शोभा किसी राजनेता या मंत्री के बगैर कैसे बढ़ सकती है, इसलिए प्रदेश के कृषि मंत्री को मुख्य अतिथि बनाया गया क्योंकि मानसून का सबसे ज्यादा असर कृषि विभाग पर ही पड़ता है। मंत्री जी ने आमंत्रण भी सहर्ष स्वीकार कर लिया। स्थान ऐसी जगह तय किया जहां वर्षा आने पर कोई बाधा न हो। नियत तिथि पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंत्री जी तय समय से थोड़ी देर से , जैसा की बहुधा होता है उपस्थित हो सकें।

सबसे पहले मौसम वैज्ञानिकों को अपने विचार व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया गया ,उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमारा काम सबको समय पर सावधान करना होता है कि कब और किस दिशा में मानसून का आगमन होगा और कब तक रहेगा उसकी स्वागत की तैयारी कैसी करनी है। हम उसके प्रकोप की चेतावनी भी समय -समय पर देते रहते है। हम मानसून के आभारी है कि वह हमारी ज्यादातर भविष्यवाणी पर खरे उतरे है। नगर निगम के अधिकारियों ने अपने विदाई भाषण में कहा कि मानसून वैज्ञानिकों की चेतावनी के अनुसार हमारी पूरी कोशिश रहती है कि हैं कि मानसून के आने से पहले नालों से अतिक्रमण हटा दें, उनकी सफाई कर दें ताकि सड़कों पर पानी का जमाव न हो और जनता को किसी संकट से बचाया जा सके। परंतु हमें इस कामों के लिए चुने हुए प्रतिनिधियों जो सहयोग चाहिए नहीं मिल पाता है। हमारे अधिकारी अतिक्रमण हटाने जाते है तो वे उसमें बाधा बनकर खड़े हो जाते है और जब सड़कों पर पानी भर जाता है तो हमें ही दोषी ठहराते है।

अतिक्रमण हटाने से उनके वोटर प्रभावित होते है। सड़के बनाने वाले एजेंसियों के जिम्मेदार अधिकारियों के प्रतिनिधि ने अपने भावुक भाषण में कहा कि हम मानसून के बड़े आभारी हैं वे हर वर्ष आते है और सड़कें उखाड़ कर चले जाते है। हमें हर वर्ष फिर से बनाने का मौका मिल जाता हैं। मानसून जाने के बाद आने वाले त्यौहार, हमारे ठेकेदारों भाइयों के सहयोग से हम और हमारे परिवारजन बड़े उत्साह और प्रसन्नता से मना लेते है।हमारी जरुरत के अनुसार गिफ्ट घर पंहुचा देते है। हम यह आश्वस्त करते है कि हम ऐसी सड़के ही बनाएंगे कि अगले वर्ष फिर से उन्हें उखड़ने का मौका देंगे। ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि ने भी मानसून के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि आपके आने से हर वर्ष सड़कों में टूट-फूट होती है और वाहन जल्दी खराब होते है और लोग अपने वाहन बदलते है, हमारी बिक्री बढ़ जाती है। जितनी ज्यादा सड़के ख़राब रहेगी हमारे वाहनों का निर्माण बढ़ेगा, जो देश की आर्थिक व्यवस्था के लिए एक बड़ा योगदान है । बड़े अस्पताल और ट्रॉमा सेंटरों के डॉक्टरों के प्रतिनिधि ने भी मानसून के आलावा, नगर निगम के अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों और सड़क बनाने वाले एजेंसियों के कार्यों की प्रशंसा की कि आप लोगों की वजह से दुर्घटनाओं में घायल होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ने से अस्पतालों की संख्या वृद्धि हो रही है। हमारे पांच सितारा अस्पताल का खर्च हम आसानी से निकाल पा रहे है। किसानों के प्रतिनिधि ने दुखी मन से प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बहुत ही संक्षिप्त में अपनी व्यथा रखी और कहा कि मानसून के कारण हमारी फसलों को बहुत नुकसान होता है। हमारी सारी मेहनत पर पानी फिर जाता है , हम कुछ नहीं कर कर पाते। इतना जरूर है कि सरकार मुआवजे की घोषणा करती है तो हम पटवारी से मिलकर कुछ ले- देकर नुकसान से कहीं ज्यादा मुआवजा प्राप्त कर लेते हैं। मेडिकल प्रैक्टिशनर एसोसिएशन की ओर से आए उनके प्रतिनिधि ने भी मानसून को धन्यवाद दिया कि आपके जाने के बाद जो बीमारियां आती है इसके कारण हमारे क्लीनिक में भीड़ बढ़ जाती है तथा हमारे क्लीनिक के आसपास के मेडिकल स्टोर की दवाई बिक्री भी बढ़ जाती है और हमें अच्छी और बड़ी-बड़ी गिफ्ट देकर वह उपकृत करते रहते हैं। एनडीआरएफ के अधिकारियों ने मानसून का आभार व्यक्त किया कि आपके कारण आई आपदा में बचाने के लिए लोगों की सेवा करने का मौका दिया मिलता है। अंत में कृषि मंत्री जी ने अपने संबोधन में मानसून का आभार व्यक्त करते हुवे कहा कि आपके सही समय पर आमद से और समय पर ही विदा होने से हमें खुशी है । मानसून आने के बाद जो भी नुकसान हुआ उसका मुआवजा बांटने का मौका देकर जनता की सेवा करने का अवसर प्रदान किया। इससे हमें आने वाले चुनावों में निश्चित ही लाभ होगा। सभी ने मानसून को खुशी - खुशी विदाई दी और अगले बरस फिर से समय पर आने का निमंत्रण दिया।

संतान की मंगलकामना का पर्व है अहोई अष्टमी

अहोई अष्टमी (24 अक्टूबर) पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भारत में हिन्दू समुदाय में करवा चौथ के चार दिन पश्चात् और दीवाली से ठीक एक सप्ताह पहले एक प्रमुख त्यौहार 'अहोई अष्टमी' मनाया जाता है, जो प्रायः वही स्त्रियां करती हैं, जिनके संतान होती है किन्तु अब यह व्रत निसंतान महिलाएं भी संतान की कामना के लिए करती हैं। 'अहोई अष्टमी' व्रत प्रतिवर्ष कार्तिक कृष्ण अष्टमी को किया जाता है और इस वर्ष यह पर्व 24 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। स्त्रियां दिनभर व्रत रखती हैं। सायंकाल से दीवार पर आठ कोष्ठक की पुतली लिखी जाती है। उसी के पास सेई और सेई के बच्चों के चित्र भी बनाए जाते हैं। पृथ्वी पर चौक पूरकर कलश स्थापित किया जाता है। कलश पूजन के बाद दीवार पर लिखी अष्टमी का पूजन किया जाता है। फिर दूध-भात का भोग लगाकर कथा कही जाती है। आधुनिक युग में अब बहुत सी महिलाएं दीवारों पर चित्र बनाने के लिए बाजार से अहोई अष्टमी के रेडीमेड चित्र खरीदकर उन्हें पूजास्थल पर स्थापित कर उनका पूजन करती हैं। कार्तिक कृष्ण अष्टमी को महिलाएं अपनी संतान की दीर्घ आयु तथा उनके जीवन में समस्त संकटों या विघ्न-बाधाओं से उनकी रक्षा के लिए यह व्रत रखती हैं। कुछ स्थानों पर इस दिन धोबी मारन लीला का भी मंचन होता है, जिसमें श्रीकृष्ण द्वारा कंस द्वारा भेजे गए धोबी का वध करते प्रदर्शन किया जाता है। अहोई माता के रूप में अपनी-अपनी पारिवारिक परम्परानुसार लोग माता पार्वती की पूजा करते हैं।

अहोई अष्टमी व्रत के संबंध में कुछ कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथानुसार प्राचीन काल में किसी नगर में एक साहूकार रहता था। उसके सात लड़के थे। दीपावली से पहले साहूकार की स्त्री घर की लीपा-पोती हेतु मिट्टी लेने खदान में गई और कुदाल से मिट्टी खोदने लगी। दैव योग से उसी जगह एक सेह की मांद थी। सहसा उस स्त्री के हाथ से कुदाल सेह के बच्चे को लग गई, जिससे सेह का बच्चा तत्काल मर गया। अपने हाथ से हुई हत्या को लेकर साहूकार की पत्नी को बहुत दुख हुआ परन्तु अब क्या हो सकता था? वह पश्चाताप करती हुई शोकाकुल अपने घर लौट आई। कुछ दिनों बाद उसके बेटे का निधन हो गया। फिर अकस्मात दूसरा, तीसरा और इस प्रकार वर्ष भर में उसके सभी बेटे मर गए। महिला अत्यंत व्यथित रहने लगी। एक दिन उसने अपने आस-पड़ोस की महिलाओं को विलाप करते हुए बताया कि उसने जानबूझकर कभी कोई पाप नहीं किया। हां, एक बार खदान में मिट्टी खोदते हुए अनजाने में उससे एक सेह के बच्चे की हत्या अवश्य हुई है और तत्पश्चात मेरे सातों बेटों की मृत्यु हो गई। यह सुनकर पास-पड़ोस की वृद्ध औरतों ने साहूकार की पत्नी को दिलासा देते हुए कहा कि यह बात बताकर तुमने जो पश्चाताप किया है, उससे तुम्हारा आधा पाप नष्ट हो गया है। तुम उसी अष्टमी को भगवती माता की शरण लेकर सेह और सेह के बच्चों का चित्र बनाकर उनकी आराधना करो और क्षमा-याचना करो। ईश्वर की कृपा से तुम्हारा पाप धुल जाएगा। साहूकार की पत्नी ने वृद्ध महिलाओं की बात मानकर कार्तिक मास की कृष्णपक्ष की अष्टमी को उपवास व पूजा-याचना की। वह हर वर्ष नियमित रूप से ऐसा करने लगी। बाद में उसे सात पुत्र रत्नों की प्राप्ति हुई। तभी से अहोई व्रत की परम्परा प्रचलित हो गई।

अहोई व्रत के संबंध में एक और कथा प्रचलित है। बहुत समय पहले झांसी के निकट एक नगर में चन्द्रभान नामक साहूकार रहता था। उसकी पत्नी चन्द्रिका बहुत सुंदर, सर्वगुण सम्पन्न, सती साध्वी, शीलवन्त, चरित्रवान तथा बुद्धिमान थी। उसके कई पुत्र-पुत्रियां थे परन्तु वे सभी बाल अवस्था में ही परलोक सिधार चुके थे। दोनो पति-पत्नी संतान न रह जाने से बहुत व्यथित रहते थे। वे दोनों प्रतिदिन मन ही मन सोचते कि हमारे मर जाने के बाद इस अपार धन-सम्पदा को कौन संभालेगा? एक बार उन दोनों ने निश्चय किया कि वनवास लेकर शेष जीवन प्रभु-भक्ति में व्यतीत करें।

यही विचार कर दोनों अपना घर-बार त्यागकर वनों की ओर चल दिए। रास्ते में जब थक जाते तो रूककर थोड़ा विश्राम कर लेते और फिर चल पड़ते। इस प्रकार धीरे-धीरे वे बद्रिका आश्रम के निकट शीतल कुण्ड जा पहुंचे। वहां पहुंचकर दोनों ने निराहार रहकर प्राण त्यागने का निश्चय कर लिया। निराहार व निर्जल रहते हुए जब उन्हें सात दिन हो गए तो आकाशवाणी हुई कि तुम दोनों प्राणी अपने प्राण मत त्यागो। यह सब दुख तुम्हें तुम्हारे पूर्व पापों से भोगना पड़ा है। यदि तुम्हारी पत्नी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष में आने वाली अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजन करे तो अहोई देवी प्रसन्न होकर साक्षात दर्शन देंगी। तुम उनसे दीर्घायु पुत्रों का वरदान मांग लेना। व्रत के दिन तुम राधाकुण्ड में स्नान करना।

चन्द्रिका ने आकाशवाणी के बताए अनुसार विधि-विधान से अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजा-अर्चना की और तत्पश्चात राधाकुण्ड में स्नान किया। जब वे स्नान इत्यादि के बाद घर पहुंचे तो उस दम्पत्ति को अहोई माता ने साक्षात दर्शन देकर वर मांगने को कहा। साहूकार दम्पत्ति ने हाथ जोड़कर कहा, ''हमारे बच्चे कम आयु में ही परलोक सिधार जाते हैं। आप हमें बच्चों की दीर्घायु का वरदान दें।''

''तथास्तु!'' कहकर अहोई माता अंर्तध्यान हो गई। कुछ समय के बाद साहूकार दम्पत्ति को दीर्घायु पुत्रों की प्राप्ति हुई और वे सुखपूर्वक अपना गृहस्थ जीवन व्यतीत करने लगे। देवी पार्वती को अनहोनी को होनी बनाने वाली देवी माना गया हैं, इसलिए अहोई अष्टमी पर माता पर्वती की पूजा की जाती है और संतान की दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना की जाती है।

हमारी अपनी जीवन यात्रा - एक विचार ऐसा भी

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

एकाएक साथ वालों में से कुछ एक जा रहे हैं। चल तो हम भी रहे हैं, लेकिन हाल-फिलहाल मंजिल दूर है। वैसे कब मंजिल मिल जाए ? इस बारे में पक्के तौर पर कोई नहीं कह सकता। वैसे यह तय है कि हर एक को कभी न कभी मंजिल तो जरूर मिलना है। जब-जब मुझे या घर वालों को मेरी मंजिल पास आने का एहसास होता है, वे चिंतित हो जाते हैं। धर्मशास्त्र की भाषा में इसे ही राग-अनुराग के रूप में परिभाषित किया गया है। इसका साफ कारण यह है कि चलते-चलते हम दूसरों से और दूसरों ने हमसे कोई न कोई संबंध जोड़ लिए है। या यूं कहा जाए कि संबंध स्वतः ही जुड़ गए हैं। खैर, जब तक सफर जारी है, इन संबंधों का स्पंदन सुखद अनुभूति का कारक होता है।

हर एक यात्रा का गंतव्य तक पहुंचने का एक निश्चित समय होता है। कुछ एक इस यात्रा को बड़ी जल्दी पूर्ण कर लेते हैं, तो कुछ एक अधिकतम निर्धारित समय में अपनी यात्रा पूर्ण करते हैं। लेकिन ऐसा अन्य बातें समान रहने पर ही संभव होता है। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि हम तो प्रयास करते हैं कि यात्रा सुरक्षित तरीके से होती रहे, लेकिन आकस्मिक घटनाएं कुछ इस कदर आकस्मिक हुआ करती है कि देखते ही देखते हम मंजिल तक आ चुके होते हैं। ऐसे में हम यात्रा के दौरान जितने सपने बुनते हैं, सारे के सारे टूट जाया करते हैं। इसके चलते हमें चाहे मंजिल मिल जाए लेकिन साथ चलने वाले भटक कर रह जाते हैं।

हर यात्रा का अपना एक अलग ही आनंद होता है। इस दौरान हमें तरह-तरह के खट्टे-मीठे अनुभव हुआ करते हैं। कुछ खटास से भर जाते हैं और कुछ मिठास से। हर एक का अपना-अपना नजरिया हुआ करता है। कोई कोई तो छोटी-मोटी चोट से ही टूट जाया करते है, तो कोई ऐसी चोट खाकर भी बड़ी चोट से बच जाने की खुशियों से भर जाते है। वैसे यात्रा कोई भी हो, पूर्ण रूप से निरापद नहीं होती। हर एक यात्रा में कहीं आनंद छलकता है तो कहीं-कहीं तो हमें परिस्थितियों से समझौता करने को विवश होना पड़ता है। कुछ एक के लिए यह यात्रा बोझ जैसी प्रतीत होती है, तो कुछ एक के लिए इतनी रोमांचक होती है कि मंजिल नजदीक आते जाने का भान ही नहीं होता।

अहम सवाल यह है कि हम अपनी इस यात्रा को किस रूप में लेते हैं ? जीवन यात्रा का आनंद, आनंद लुटाने में ही सन्निहित है। हम जितने दूसरों के लिए उपयोगी होते हैं, उतनी ही मात्रा में अपनी जीवन यात्रा के बाद भी अन्यों के मानस पटल पर अंकित रहा करते हैं। वरना यात्रा तो हर एक की जारी है, जो यात्रा के दौरान ही किसी को हमसफर बनाती है। वह कोई बिरली शख्सियत ही होती है जो अपनी मंजिल पाने के बाद भी किसी को वैचारिक रूप से अपना हमसफर होने का एहसास कराती है। यही कारण है कि हर युग के ऐसे यात्रियों की चर्चा आज भी की जाती है, जिनकी गाथा युगों-युगों तक गायी जाती रहेगी। सोच कर देखिए, वे भी यात्री थे और हम भी यात्री हैं। ऐसे में हम कहां फिट बैठते हैं, यह सोचने की बात है। इसलिए अपनी नजर में हम चाहे कितने ही परिपूर्ण क्यों न हो, कहीं न कहीं किसी और के मन में हमारे प्रति नकारात्मक भाव आ सकता है। इस संदर्भ में यह आवश्यक है कि हम औरों की नजर में अपने प्रति मनोभावों को ताड़ने का प्रयास करें। वास्तव में आत्म मूल्यांकन एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है। एक बार जब हम अपने में कमी को चिन्हित कर लेते हैं, तब हमें कहीं न कहीं आत्म प्रेरणा भी मिलती है। जिसके चलते हमें वह राह दिखाई देने लगती है जिस राह पर चलकर हम जमाने में मान-सम्मान पा सकते हैं।

अन्यथा अनावश्यक तनाव हमें शारीरिक और मानसिक विकारों से ग्रस्त कर सकता है। इसलिए बेहतर हो यदि हम अपने प्रति किसी अन्य की प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से नकारात्मक प्रतिक्रिया आने पर अपने आचरण और व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए हर समय तत्पर रहे। ऐसा होने पर हम पूर्ण रूप से निश्चिंतता के साथ अपने-अपने क्षेत्र में प्रबल पुरुषार्थ का परिचय दे सकते हैं। एक हम ही नहीं है जिनकी यात्रा जारी है, हमारे जैसे अनगिनत हैं। लेकिन जमाने में सकारात्मक चर्चा उन्हीं की होती है जो केवल अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरों के लिए भी जिया करते हैं।

क्या मूर्ति में बदलाव से- मिल सकेगा सच्चा न्याय

सामयिक

सुसंस्कृति परिहार

अभी तक तो भाजपा सरकार नामों और स्वरुप में थोड़ा बदलाव कर यश अर्जित कर वोट का इंतजाम करती रही है। गांव मेरा -नाम तेरा। आश्चर्य तो तब हुआ जब सीजेआई वाय वी चंद्रचूड़ ने न्याय देवी को नव स्वरूप में बनवाया और उस स्टैच्यू को सुप्रीम कोर्ट में जजों की लाइब्रेरी में लगाया गया है। चंद्रचूड़जी का मानना है कि कानून कभी अंधा नहीं होता। वो सबको समान रूप से देखता है। साथ ही देवी के एक हाथ में तलवार नहीं, बल्कि संविधान होगा।

जहां इनमें आंखों की पट्टी की बात करें तो यह समानता (Equalite) का प्रतीक है। जिस तरह से ईश्वर सभी को एक रूप में ही देखता है, कोई भेदभाव नहीं करता है, उसी तरह न्याय की देवी भी अपने सामने किसी को बड़ा छोटा नहीं मानती। आंखों पर पट्टी निष्पक्षता का प्रतिनिधित्व करती है। इसका मतलब है कि न्याय बिना किसी पक्षपात के किया जाना चाहिए, धन, शक्ति या सामाजिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए। 'कानून अंधा है' का आदर्श इस आंखों पर पट्टी बंधी महिला में सन्निहित है जो प्रत्येक तर्क को पूरी तरह से तथ्यों और कानून के आधार पर तौलती है ।जैसा कि कहावत है 'न्याय अंधा होता है', आंखों पर पट्टी बांधने से यह पता चलता है कि वह दिखावे के आधार पर न्याय नहीं करती । इसी तरह, इस मूर्ति (बाएं) जैसे उदाहरणों से पता चलता है कि वह न्याय करने के लिए अपने दिमाग और अपनी सभी इंद्रियों का उपयोग करती है। लेडी जस्टिस, जिसे जस्टिटिया के नाम से भी जाना जाता। जानकारी के लिए बता दें कि न्याय की देवी वास्तव में यूनान की प्राचीन देवी हैं इन्हें न्याय का प्रतीक कहा जाता है, जिसका नाम जस्टिया है।

1983 में आई फिल्म अंधा कानून आप सभी ने देखी होगी। इस फिल्म में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन पर एक गाना फिल्माया गया था ये अंधा कानून है। इस गाने को आवाज किशोर कुमार ने दी थी लेकिन, अब भारत का कानून अंधा नहीं है। अब न्याय की देवी की आंखें खुल गई हैं।

क्या सचमुच इस परिवर्तन से न्याय व्यवस्था बदलेगी। यह परिवर्तन एक हल्की सोच और मिज़ाज का परिचायक है होना तो यह चाहिए था कि अगर न्याय की पट्टी बांधे देवी पर भरोसा नहीं था महिलाओं पर यूं ही हिंदोस्ता में भरोसा करने का रिवाज ही नहीं है इसलिए कथित देवी की जगह बिना मुकुट धारी न्याय देवता को लगाना था। पट्टी के साथ तराजू जिसे आज के बच्चे नहीं जानते हटाना था। तलवार की जगह संविधान रखना ही सब कुछ कह देता है। लगता है भविष्य में अब जब तब इस नई मूर्ति पर विवाद होते रहेंगे। न्याय का प्रतीक जस्टिया से इतनी नफ़रत है तो पूरा नव स्वरूप ही गढ़ना चाहिए था।

बहरहाल, जैसे भारत सरकार के नाम परिवर्तन से यश की ललक पूरी होती रही है यह यश पाने की चाहत न्याय-व्यवस्था में आना स्वाभाविक तौर पर अच्छे संकेत नहीं देता है।

जहां तक अब तक पिछले दस सालों में हुए न्याय पर दृष्टिपात करें तो पाते हैं सब गोलमाल है भई सब गोलमाल है। नया स्टेच्यू लगाने से लेशमात्र भी परिवर्तन नहीं होने वाला है अब तो खुली आंखों से भी भरोसा उठ गया है।वरना बलात्कारियों का सम्मान और गौरी लंकेश के जमानत पर आए हत्यारों का ऐसा स्वागत गुनाह होता। ये तो अंधा न्याय को और पुख्ता ज़मीन मिल गई है। जनता का मन बहलाने के लिए हुजूरे आला आपका ख्याल अच्छा है देखिए आगे आगे और होता है क्या ,कितने अंधे न्याय के शिकार लोगों की संविधान रक्षा कर पाता है?

अब गांव में नहीं दिखता है पुस्तकालय

मुद्दा

रिंकू कुमारी

भारत सदियों से शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है. दुनिया भर से विद्यार्थी यहां पढ़ने आते रहे हैं. इसमें पुस्तकालय यानि लाइब्रेरी की ख़ास पहचान रही है. ज्ञान-विज्ञान, शोध-अध्ययन व दर्शन की परंपरा को आगे बढ़ाने में पुस्तकालय ने अहम भूमिका निभाई है. यहां केवल किताबों का भंडार नहीं होता है बल्कि यह देश-दुनिया के इतिहास को खुद में समेट कर भावी पीढ़ी के लिए उपयोगी सामग्री, ऐतिहासिक तथ्यों व जानकारियों को भी सुरक्षित रखता है. कोई देश, प्रदेश या फिर हमारा समाज कितना बौद्धिक, कितना तर्कसंगत और वैज्ञानिक है, इसका आकलन वहां संचालित पुस्तकालयों, उसमें मौजूद पुस्तकों और पुस्तक प्रेमियों की संख्या से होती है. लेकिन अफसोस है कि वर्तमान समय में बिहार में पुस्तकालयों की संख्या उतनी नहीं है, जितनी होनी चाहिए. बिहार में एक समय पुस्तकालयों की संख्या अच्छी-खासी थी. कई लाइब्रेरी काफी चर्चित रही हैं, मगर आज इनमें से कई मरणासन्न स्थिति में हैं, तो कई बंद हो चुकी हैं. ग्रामीण क्षेत्रों में तो इसकी संकल्पना लगभग ख़त्म हो चुकी है.

राज्य के बड़े शहरों में एक मुजफ्फरपुर इसका उदाहरण है. जहां शहरों से लेकर गांवों तक लोगों में लाइब्रेरी के प्रति रूचि खत्म होती जा रही है. शहर स्थित नगर निगम की लाइब्रेरी अब पुस्तक प्रेमियों के लिए नहीं, सिर्फ छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन का केंद्र बन कर रह गया है. इतने बड़े शहर में एक भी ढंग का पुस्तकालय सह वाचनालय नहीं है, जहां जाकर पुस्तक प्रेमी अपनी पसंद की किताबें पढ़ सकें, ताकि साहित्य, संस्कृति व वैश्विक इतिहास, दर्शन से संबंधित किताबें सहज उपलब्ध हो सके. गांधी पुस्तकालय और विभूति पुस्तकालय जैसे छोटे-मोटे इक्के-दुक्के पुस्तकालय जरूर हैं, लेकिन इन्हें समृद्ध पुस्तकालय नहीं कहा जा सकता है. जबकि ग्रामीण क्षेत्रों की बात करें तो स्थिति और अधिक चिंताजनक होती जा रही है. जिला के पारू प्रखंड स्थित चांदकेवारी गांव में एक दशक पहले कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं और पढ़े-लिखे युवा किसानों ने मिलकर 'किसान लाइब्रेरी सह अध्ययन केंद्र' खोला था. इसके लिए घर-घर से अलग-अलग तरह की किताबें दान में लेकर लाइब्रेरी की अलमारी को भरा गया था, लेकिन यह लाइब्रेरी भी अधिक दिन नहीं चली और अंततः बंद हो गयी. इसका एक प्रमुख ग्रामीण लोगों, युवाओं व किसानों में पढ़ने को लेकर कोई खास ललक नहीं दिखी. साथ ही, देखरेख का अभाव संचालन के प्रति उदासीनता भी एक प्रमुख कारण रहा.

वहीं शहर से सटे मुशहरी प्रखंड के रोहुआ राजाराम पंचायत में वैद्यनाथ प्रसाद सिंह पुस्तकालय करीब दो दशकों से चल रहा था. आज यह पुस्तकालय लगभग वीरान हो चुका है. इसे स्थानीय निवासी योगा सिंह ने अपने पिता स्व. वैद्यनाथ प्रसाद सिंह की याद में खोला था. इस संबंध में स्थानीय निवासी 28 वर्षीय उज्जवल कहते हैं कि शुरू में हम जब स्कूल आते थे, तो इस लाइब्रेरी में जाकर तरह-तरह की किताबें पढ़ते थे. तब यहां बहुत सारे लोग किताब पढ़ते हुए दिख जाते थे, लेकिन अब यह लाइब्रेरी वीरान पड़ी हुई दिखती है. कभी-कभी मुश्किल से यहां कोई दिख जाता है. वह कहते हैं कि लाइब्रेरी का महत्व कम होने के पीछे एक बड़ी वजह मोबाइल है. जिसके कारण किताबों और लाइब्रेरी के प्रति लोगों की रुचि घटी है. युवा दिनभर सोशल मीडिया पर लगे रहते हैं. इसलिए इतनी अच्छी बिल्डिंग व तमाम सुविधाओं के बावजूद लोग लाइब्रेरी में नहीं आते हैं. इसी लाइब्रेरी के ठीक पीछ रहने वाले देवेंद्र पासवान कहते हैं कि उन्हें पता ही नहीं है कि इसमें कोई पुस्तकें पढ़ने आता भी है या नहीं? पूरे राज्य में ऐसे कितने ही उदाहरण मिल जाएंगे कि अच्छी-खासी चल रही लाइब्रेरी विभिन्न कारणों से अब बंद हो गयी है.

हालांकि मुजफ्फरपुर से सटे वैशाली जिला के लालगंज ब्लॉक स्थित ग्रामीण बाजार में संचालित पुस्तकालय उत्तर बिहार में अपनी एक प्रमुख पहचान बनाये हुए है, जहां किताबों की संख्या काफी है और आसपास के पुस्तक प्रेमी भी यहां आते रहते हैं. लेकिन ऐसी लाइब्रेरी कुछ ही रह गए हैं. मार्च 2022 में बिहार विधानसभा पुस्तकालय समिति के अध्यक्ष सह विधायक सुदामा प्रसाद ने राज्य में लाइब्रेरी की स्थिति पर एक रिपोर्ट जारी करते हुए कहा था कि पचास के दशक में सूबे में 540 सार्वजनिक पुस्तकालय थे. इनमें से अब सिर्फ 51 ही शेष बचे हैं. रिपोर्ट के अनुसार राज्य के छह जिलों - अरवल, कैमूर, बांका शिवहर, किशनगंज और शेखपुरा के ग्रामीण ही नहीं, बल्कि शहर में भी कोई पुस्तकालय संचालित नहीं है. राजधानी पटना स्थित खुदाबख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी आज भी राजधानी की शान बनी हुई है और राज्य स्तर पर खासा चर्चित है. प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं कालेजों की लाइब्रेरी को छोड़ दें, तो राज्य के 38 जिलों और 434 प्रखंडों में सार्वजनिक पुस्तकालयों का अभाव पुस्तक प्रेमियों, साहित्य प्रेमियों और पढ़ाकू लोगों को बहुत चिंतित करता है.

इस संबंध में स्थानीय समाजसेवी विनय कहते हैं कि मुजफ्फरपुर शहर में गांधी स्मृति पुस्तकालय, नवयुवक समिति ट्रस्ट पुस्तकालय जैसे दो-तीन पुस्तकालय हैं, लेकिन इसे हम समृद्ध लाइब्रेरी नहीं कह सकते हैं. इनमें कुछ पुरानी किताबें अवश्य हैं, जो या तो संदूक-अलमारी में बंद पड़ी हैं या फिर कुछ किताबों को दीमक चाट गए हैं. इन्हें अब पढ़ने वाला कोई नहीं है. इसकी देखरेख से लेकर संचालित करने वाला संगठन भी उदासीन है. नगर भवन में भी एक पुस्तकालय है, जिनमें छात्र पढ़ने आते हैं. इस बड़े शहर में एक भी ढंग का पुस्तकालय सह वाचनालय नहीं है. ऐसे में हम ग्रामीण क्षेत्र से क्या अपेक्षा कर सकते हैं? इसका अर्थ यह नहीं है कि लाइब्रेरी खोली ही नहीं जाए, बल्कि इसे पढ़ने वालों से जोड़ने के लिए अब लाइब्रेरी को पुराने ढर्रे से निकालकर नये जमाने के हिसाब से स्मार्ट बनाना होगा. उसे कंप्यूटर व इंटरनेट से जोड़ कर नया कलेवर देना होगा. वहां कैरियर काउंसलिंग जैसे कार्यक्रम चलाने होंगे. किताबों की दुनिया से कटकर आभासी दुनिया में अपने सपने खोजने वाले युवाओं को इससे जोड़ने की ज़रूरत है. इसके अतिरिक्त हर पंचायत में एक लाइब्रेरी स्थापित की जाए, इसके लिए पंचायत प्रतिनिधियों के साथ साथ गांव के बुद्धिजीवियों को भी आगे आना होगा. तभी हम अपनी नई पीढ़ी को इस समृद्ध विरासत से फिर से जोड़ सकेंगे. (चरखा फीचर्स)

6 घंटे में अपहृत व्यापारी का रेस्क्यू, आरोपियों ने फिरौती में मांगे थे 10 लाख रुपये

4 आरोपी गिरफ्तार, कार सहित 4 मोबाइल, खाते फ्रीज कर जब्त की राशि

बैतूल। सोने-चांदी के व्यापारी का अपहरण कर फिरौती मांगने वाले 4 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार लिया है। पुलिस ने सूचना मिलते ही मात्र 6 घंटे में कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ लिया। बुधवार को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता में एसपी निश्चल एन झारिया ने बताया कि 22 अक्टूबर मंगलवार रात्रि करीब 9 बजे रोशनी सोनी पति कृष्णा सोनी (20 वर्ष) निवासी रामनगर गंज, बैतूल, ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके पति कृष्णा सोनी, जो श्री देवी ज्वेलर्स दुर्गा चौक रामनगर में सोना-चांदी की दुकान चलाते हैं, को चार अज्ञात व्यक्तियों ने अपहरण कर लिया है। चारों आरोपी एक सफेद रंग की कार में दुकान पर आए थे और सोना गिरवी रखने के बहाने से जबरन कृष्णा सोनी को कार में बिठाकर ले गए। अपहरणकर्ताओं ने कृष्णा सोनी के मोबाइल से 10 लाख रुपये की फिरौती मांगी है। उन्होंने अपने पास के दुकानदार के फोन से 15,000 रुपये और रिश्तेदार के मोबाइल से 50,000 रुपये फोन पे के माध्यम से अपहरणकर्ताओं के खाते में ट्रांसफर किए, लेकिन पति को नहीं छोड़ा। पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए धारा 140(3), 308(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की।

नागपुर से किया व्यापारी का रेस्क्यू, आरोपी गिरफ्तार

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल एन. झारिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी और एसडीओपी सुश्री शालिनी परस्ते के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज और सायबर सेल की सहायता से अपहृत व्यापारी कृष्णा सोनी को नागपुर महाराष्ट्र से सकुशल रेस्क्यू किया और चारों अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किया। आरोपियों से घटना में इस्तेमाल की गई सफेद रंग की आई-20 कार (एमएच 29, एडी1295), 4 मोबाइल फोन और फिरौती के 65,000 रुपये बैंक खाते को फ्रीज कर जप्त किए गए।

अपहृत व्यापारी को पहले से जानते थे आरोपी ....

पुलिस अधीक्षक निश्चत एन झारिया ने बताया कि आरोपी मंजेद खान और पीडित कृष्णा सोनी पूर्व में चंद्रपुर महाराष्ट्र में सोना-चांदी के जेवर बनाने का काम करते थे और पूर्व से एक-दूसरे को जानते थे। आरोपियों को ये पता था कि कृष्णा बैतूल में व्यवसाय कर रहा है। मंजेद खान ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर कृष्णा सोनी का अपहरण किया व आरोपियों ने पीड़ित की पत्नी से 10 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। पुलिस ने मंजेद पिता रियाजुद्दीन खान (26 वर्ष), जमीर पिता जबीरुल्लाह बेग (30 वर्ष), वरुण पिता पुरुषोत्तम बेट्टी (20 वर्ष) और प्रतीक पिता श्रीनिवास नलल्ला (26 वर्ष) सभी निवासी सिस्टर कॉलोनी थाना रामनगर जिला चंद्रपुर, महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में निरीक्षक रविकांत डेहरिया, उपनिरीक्षक इरफान कुरैशी, प्रधान आरक्षक आशीष चौहान, अतुल शर्मा, आरक्षक अनिरुद्ध, सुरजीत जाट, और सायबर सेल के आरक्षक बलराम राजपूत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

किशोरी ने खाया जहर, उपचार के दौरान मौत

बैतूल। आमला थाना क्षेत्र के रानीडोंगरी की एक किशोरी ने अज्ञात कारणों के चलते जहर खा लिया। जिसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ा। जिला अस्पताल पुलिस चौकी से मिली जानकारी के मुताबिक 17 वर्षीय युवती ने घर में अज्ञात कारणों के चलते जहर खा लिया। परिजन किशोरी को पहले आमला सीएचसी लेकर पहुंचे, लेकिन हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल लाया गया, यहां भी उसकी हालत में सुधार न होने पर परिजन मंगलवार रात एक निजी हॉस्पिटल ले गए थे, लेकिन यहां उसमें इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि किशोरी ने जिस समय जहर खाया, घर पर कोई नहीं था। जब उसका भाई घर पहुंचा तो उसने बहन को बेसुध और उल्टियां करते देखा। इसके बाद बाकी परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। किशोरी की हालत अंत तक नाजुक बने रहने के कारण अस्पताल में उसके बयान दर्ज नहीं हो सके। कोतवाली पुलिस ने पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

भाजपा मंडल सारणी में सदस्यता अभियान का शुभारंभ

- 50 सदस्य बनाने वाले कार्यकर्ता बनेंगे सक्रिय सदस्य: निगम

बैतूल/ सारणी। भारतीय जनता पार्टी मंडल सारणी कार्यालय में सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष नागेंद्र निगम के नेतृत्व में जिले के महामंत्री कमलेश सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष किशोर बरदे, नगर पालिका उपाध्यक्ष जगदीश पवार, सदस्यता प्रभारी संजय अग्रवाल, सुधा चंद्रा विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान 50 एवं 100 सदस्य बनने वाले कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सदस्यता की रसीद मंडल अध्यक्ष नागेंद्र निगम से प्राप्त की। जिले के सदस्यता प्रभारी जिले के महामंत्री कमलेश सिंह ने सभी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि अपने आस पास जो भी कार्यकर्ता सदस्य नहीं बने हैं उन्हें प्राथमिक सदस्यता ग्रहण करा कर और अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को 50 सदस्य कम से कम बनाने के लिए प्रेरित करना और उन्हें सक्रिय सदस्य बनाने हेतु निवेदन किया।

विहिप राष्ट्र, धर्म, समाज व संस्कृति का संरक्षण करता है

बैतूल। विश्व हिंदू परिषद सामाजिक समरसता विभाग द्वारा बैतूल जिले के घोड़ाडोंगरी प्रखंड में वाल्मीकि समाज की बस्ती वाल्मीकि सप्ताह का समापन किया। विहिप द्वारा निरंतर विगत सात दिनों से यह कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशाल भोरासे ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन पर और समाज में समरसता का भाव जागृत करने पर प्रकाश डाला। वाल्मीकि ने रामायण की रचना की इस महान कार्य के लिए उन्हें आदि कवि के रूप में भी सम्मानित किया जाता है। इसके अलावा महर्षि वाल्मीकि ज्योतिष और खगोल विज्ञान में भी निपुण थे, जिसका उल्लेख रामायण में मिलता है, विहिप के सामाजिक समरसता विभाग के मधुकर राव देव्हारे ने भगवान महर्षि वाल्मीकि के पद चिन्हों पर चलने आग्रह किया और साथ ही सभी बच्चों को राष्ट्र धर्म और समाज के प्रति हमेशा तत्पर रहे ऐसा आग्रह किया। साथ ही उन्होंने धर्मांतरण और लव जिहाद के विषय पर समाज सजग रहने के विषय में बताया। समाज से विषमताओं का निर्मूलन करना होगा। अस्पृश्यता मुक्त समरसता युक्त समाज का निर्माण करना होंगा। उन्होंने कहा कि विहिप राष्ट्र, धर्म, समाज व संस्कृति का संरक्षण करता है। तरुण साहू ने विहिप की रीति नीति से अवगत कराया और बताया कि संगठन समाज में कैसे काम करता है एवं हिंदू समाज की कैसे रक्षा करता है।

खाद्य विभाग ने लिए 14 सैंपल

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों का विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों से सैंपल लिए जाने की कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत

अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन शैलेंद्र बड़ोनिया के मार्गदर्शन में बुधवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप पाटिल ने टीम के साथ सारनी में स्थित होटल तथा दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतिष्ठानों, दुकानों के लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन की भी जांच की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने निरीक्षण में संचालकों को रख-रखाव की समझाइश दी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री पाटिल ने सारनी की मिठाई दुकान से रसगुल्ला के 1, लड्डू के 1, मिठाई पेड़ा के 5, कलाकंद के 1, बर्फी के 3, काजू कतली के 1, चॉकलेट बर्फी के 1, मिल्क केक के 1 इस प्रकार कुल 14 सैंपल लिए गए। लिए गए सैंपल खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जाएंगे तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

महिलाओं ने बैठकों और गतिविधियों के लिए विधायक से मांगा था भवन

विधायक ने कहा - अतिक्रमण हटाकर पुरानी बिल्डिंग उन्नति संकुल को सौंपी जाएगी

बैतूल/ भौरा। मप डे राज्य आजीविका मिशन के तहत संकुल की महिलाओं ने बैठकों और गतिविधियों के लिए विधायक से उपयुक्त भवन की मांग की। विधायक ने महिलाओं की मांग को संज्ञान में लेते हुए मांग का समाधान किया। दरअसल महिलाओं ने विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके से मुलाकात की। उन्नति संकुल प्रबंधक पूनम पासी, प्रतिज्ञा संकुल प्रबंधक आरती वर्मा और दिशा संकुल प्रबंधक कलावती पंद्राम के नेतृत्व में महिलाओं ने ग्राम संगठनों के लिए भवन की आवश्यकता और लघु उद्योगों की स्थापना का प्रस्ताव रखा। महिलाओं की मांग को सुनते ही विधायक ने तुरंत संज्ञान लिया। नगर के स्टेशन रोड पर स्थित वर्षों से खाली पड़ी पुरानी पुत्री शाला की बिल्डिंग में स्थानीय लोगों ने सामान भर रखा था। महिलाओं की बैठक और संगठनों की गतिविधियों के लिए जगह न होने की शिकायत पर विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके तुरंत मौके पर पहुंचे और बिल्डिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने तुरंत ताला खुलवाया और देखा कि बिल्डिंग में लोगों ने अपना सामान जमा रखा था। इस पर विधायक ने सरपंच मीरा सुर्वे को निर्देश दिया कि दो दिन के भीतर अतिक्रमण हटाकर और सफाई कराकर यह बिल्डिंग उन्नति संकुल की महिलाओं को सौंप दी जाए।

शिक्षा विभाग से समन्वय, भवन सौंपने के निर्देश

विधायक उईके ने मौके पर ही विकासखंड शिक्षा अधिकारी को फोन कर निर्देश दिए कि पुरानी पुत्री शाला की खाली पड़ी बिल्डिंग को उन्नति संकुल की महिलाओं की बैठकों और गतिविधियों के लिए उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा, महिलाओं की आजीविका और स्वावलंबन के लिए यह जरूरी है कि उन्हें संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। अतिक्रमण हटाकर इस बिल्डिंग का उपयोग महिलाओं के संगठन और उनके आर्थिक विकास के लिए किया जाएगा। विधायक से मुलाकात के दौरान महिलाओं ने लघु उद्योगों की स्थापना का प्रस्ताव भी रखा, जिसे विधायक ने गंभीरता से लिया और इस पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। यह पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और आर्थिक रूप से सशक्त करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

महिलाओं ने जताया आभार

उन्नति संकुल की प्रबंधक पूनम पासी ने विधायक के त्वरित निर्णय पर आभार व्यक्त करते हुए कहा हम लंबे समय से इस बिल्डिंग को मांग रहे थे, लेकिन अतिक्रमण और अन्य कारणों से यह हमें उपलब्ध नहीं हो पा रही थी। विधायक जी के प्रयासों से हमें अब यह स्थान प्राप्त हुआ है। इसके लिए हम उनका आभार व्यक्त करते हैं। यह भवन हमारे समूह की महिलाओं के लिए बहुत उपयोगी साबित होगा। विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके ने कहा महिलाओं की आजीविका के विकास के लिए उन्हें उचित संसाधन और सुविधाएं मिलनी चाहिए। समूह की महिलाओं की मांग पर मैंने तुरंत बिल्डिंग का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि महिलाओं को उनका हक मिले और वे आत्मनिर्भर बन सकें।

कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक ली

बैतूल। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बुधवार को कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने महिला एवं बाल विकास विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक ली। इस दौरान केन्द्र प्रायोजित योजनाओं एवं वर्तमान में विभाग में संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना अंतर्गत आनुपातिक लक्ष्य माह अक्टूबर 2024 तक प्राप्त न करने वाली परियोजना भैसदेही, प्रभात पट्टन, बैतूल शहरी, बैतूल ग्रामीण घोड़ाडोंगरी परियोजना अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना में पात्रता संबंधी अपूर्ण दस्तावेजों को पर्यवेक्षकों के द्वारा पूर्ण के उपरांत शत-प्रतिशत पंजीयन किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने परियोजना आमला अंतर्गत बोरदेही आंगनवाड़ी अंतर्गत स्व. सहायता समूह द्वारा विगत छः माह से भोजन नहीं दिये जाने के संबंध में संबंधित परियोजना अधिकारी एवं संबंधित सेक्टर पर्यवेक्षक को नोटिस दिए जाने हेतु आदेशित किया गया। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना में अक्टूबर 2024 के अंत तक आनुपातिक लक्ष्य प्राप्त करने हेतु समस्त परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों को निर्देश दिए। साथ ही अति गंभीर कुपोषित एवं गंभीर कुपोषित बच्चों की नियमित मॉनिटरिंग एवं पोषण पुनर्वास केन्द्र में पात्र बच्चों को भर्ती किये जाने के निर्देश दिये गये।

आंगनवाड़ी केन्द्रों का करें नियमित भ्रमण

बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों को आंगनवाड़ी केंद्रों का नियमित भ्रमण एवं निरीक्षण पंजी में टीप अंकित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में निरीक्षण पंजी संधारित करने निर्देशित किया गया। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास तथा समस्त परियोजना अधिकारी एवं समस्त पर्यवेक्षक उपस्थित रहें।

आवारा मवेशियों की रोकथाम के आदेश हुए बेअसर

- जिला कलेक्टर के आदेश को लेकर गंभीर नहीं विभाग, • पशुओं को आवारा छोड़ने वालो पर भी नहीं हुई प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

बैतूल/ मुलताई। जिला कलेक्टर के आदेश के बावजूद सड़कों पर घूमते आवारा मवेशियों की रोकथाम के प्रयास प्रारंभ नहीं हो सके हैं। आदेश जारी होने के एक माह बाद भी ना तो आदेश परिपालन में सड़कों पर आवारा मवेशियों को छोड़ने वाले पशुपालकों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई हो सकी है और ना ही नगर निकाय द्वारा कर्मचारी/वॉलेंटियर नियुक्त किए गए हैं और नाही इस आदेश के परिपालन में मुनादी ही कराई गई है। इस आदेशों को विभागों ने कितना गंभीरता से लिया है इसका प्रमाण यह भी है कि इस आदेश की कॉपी विभागों की सूचना पोर्टल तक पर चस्पा नहीं की गई है। इधर दूसरी ओर मुलताई नगर में आवारा मवेशियों का आतंक बढ़ता जा रहा है और आए दिन मवेशियों के दुर्घटनाग्रस्त होने के भी समाचार प्राप्त हो रहे हैं।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत होगी प्रतिबंधात्मक करवाई: पशुओं की सड़क दुर्घटना से मृत्यु एवं जनहानि पर रोक लगाने की गरज से संवेदनशील कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने संपूर्ण जिले में लोक सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए भारतीय

नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किया जाकर पशुओं का आम सड़क पर विचरण करने से रोकने संबंधित आदेश जारी किया है। किंतु पवित्र नगरी मुलताई में इस आदेश का प्रभाव दिखाई नहीं दे रहा है इसके विपरीत आवारा मवेशियों की समस्या बढ़ते जा रही है । इस आदेश के तहत कोई भी व्यक्ति अगर अपने गौवंश या अन्य मवेशियों को जानबूझकर अथवा उपेक्षापूर्वक सार्वजनिक सडक अथवा स्थान पर खुला छोडता है तो संबंधित व्यक्ति/पशुपालक के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही किया जाना था किंतु नगर में घूमते सैकड़ो आवारा मवेशियों के पशुपालकों पर अब भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

जिस विभाग की होगी सड़क उसे करना होगा रोकथाम के प्रयास: जिला कलेक्टर के आदेश में कहा गया है कि जी विवाह की सड़क होगी उसे विभाग पूर्ण उत्तरदायित्व होगा कि वह मवेशियों के अपने मार्ग पर विचरण पर प्रतिबंध लगाए। सड़कों पर पेट्रोलिंग की कार्यवाही करते हुए मवेशियों को सडक पर आने से रोकने की कार्यवाही करे। सडक दुर्घटना में मृत पशुओं के तत्काल नियमानुसार निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे, साथ ही घायल पशुओं के ईलाज हेतु उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं बैतूल से संपर्क कर तत्काल चिकित्सीय व्यवस्था उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करेंगे ।

नये सिरे से होगा कांग्रेस संगठन का गठन : चौधरी

- राष्ट्रीय कांग्रेस सचिव के प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं ने किया भविष्य स्वागत

बैतूल/मुलताई। अखिल भारतीय कांग्रेस के सचिव एवं विधायक आनंद चौधरी का पवित्र नगरी में प्रथम आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया, इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं विधायक सुखदेव पांसे ने चौधरी का शॉल एवं माँ ताप्ती का छायाचित्र भेंट कर स्वागत किया। इसके उपरांत आनंद चौधरी एवं पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे ताप्ती तट माँ ताप्ती मंदिर पहंचे जहां उन्होंने माँ ताप्ती की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। इसके उपरांत राष्ट्रीय कांग्रेस सचिव चौधरी ने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर कहा कि शीघ्र ही कांग्रेस पार्टी में नये सिरे से संगठन का गठन किया जाएंगा तथा जो जवाबदार पदाधिकारी है उनका यह कर्तव्य है कि स्थानीय स्तर पर छोटी-छोटी बैठकें लेकर कांग्रेस की विचारधारा प्रारंभ से लेकर अभी तक तथा धर्म निर्पेक्षता एवं समाजवाद, निजीकरण, पूंजीवाद इत्यादि के बारे में आम जनों एवं कार्यकर्ताओं को विस्तार से बताये।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने पीथमपुर में स्थापित होने वाली 5 इकाइयों का किया वर्चुअली भूमिपूजन

सामाजिक सरोकारों के लिए सीएसआर फंड का और अधिक व्यावहारिक उपयोग किया जाए : धार विधायक नीना वर्मा

धार। सामाजिक सरोकारों के लिए सीएसआर फण्ड का और अधिक व्यावहारिक उपयोग किया जाए, यही आग्रह है। साथ ही सब मिलकर बीड़ा उठा लें तो क्षेत्र की तक़दीर बदल जाएगी। उक्त बात धार विधायक नीना वर्मा ने आज पीथमपुर में स्थापित होने वाली 5 इकाईयों के वर्चुअली भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान उपस्थित उद्यमियों से कही। धार विधायक नीना वर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सन् 78 में 500 की आबादी वाला क्षेत्र पीथमपुर अब इतने बड़े आकर का रूप ले चुका है। यहाँ के उद्योगों की बदौलत हम नौकरी देने वाले बने हैं।

उद्यमी तीस प्रतिशत स्थानीय लोगों को रोज़गार देने के लिए संकल्पित हों: महू विधायक सुश्री ठाकुर

महू विधायक उषा ठाकुर ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के सन् 2047 को भारत को स्वर्णिम देश बनाने के संकल्प को सब मिलकर ही पूरा कर सकते हैं। जो जहाँ हैं जो भी कार्य कर रहे हैं, पूरी लगन और ईमानदारी से करें तो इस लक्ष्य को हासिल करने में कोई दिक्क़त नहीं होगी। उद्यमियों से आग्रह किया कि तीस प्रतिशत स्थानीय लोगों को रोज़गार देने के लिए संकल्पित हों। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर अश्विनी कुमार रावत सहित संबंधित अधिकारी और बड़ी संख्या में उद्यमी मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने यहां निवेश करने वाले उद्यमियों से चर्चा भी की। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज रीवा में आयोजित रीजनल कॉन्लवेल्व से धार जिले के पीथमपुर में स्थापित होने वाली 5 इकाइयों का वर्चुअली भूमिपूजन किया। जिसमें उसमें मेसर्स पीनेकल मोबिलिटी प्रायवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा पीथमपुर सेक्टर-07 में लगभग 46.5 एकड़ भूमि एम.पी.आई.डी.सी. से प्राप्त की गई है, जिसके द्वारा ई.वी. बस एवं लाईट कमर्शियल व्हीकल बनाने के लिए इकाई की स्थापना की जाएगी। उक्त इकाई में 1600 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है एवं 501 रोजगार के नए अवसर सृजित होना प्रस्तावित है। यह इकाई मध्यप्रदेश की पहली डेडीकेटेड ई.वी. बस एवं लाईट कमर्शियल व्हीकल मेन्युफेक्चरिंग इकाई होगी। मेसर्स कोर ब्लॉक स्केफहोल्डिंग एण्ड फार्म वर्क प्रायवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा पीथमपुर सेक्टर-03 में लगभग 21 एकड़ भूमि एम.पी.आई.डी.सी. से प्राप्त की गई है। इनके द्वारा मेटल पाईप बनाने के लिए इकाई की स्थापना की जाएगी। उक्त इकाई में फोरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेन्ट 150 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है एवं 350 रोजगार के नए अवसर सृजित होना प्रस्तावित है। मेसर्स कारनिश पॉवरझोन प्रायवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर सेक्टर-3 में लगभग 2874.86 वर्गमीटर भूमि एम. पी.आई.डी.सी. से प्राप्त की गई है, जिस पर इकाई द्वारा इलेक्ट्रीक मशीनरी एवं इलेक्ट्रीक इक्विपमेन्ट्स के लिए इकाई की स्थापना की जाएगी। उक्त इकाई में 1.5 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है एवं 27 रोजगार के नए अवसर सृजित होना प्रस्तावित है। साथ ही मेसर्स माँ तुलजा इण्डस्ट्रीज कंपनी द्वारा औद्योगिक क्षेत्र हातोद में लगभग 1864 वर्गमीटर भूमि एम.पी. आई. डी.सी. से प्राप्त की गई है, जिस पर इकाई द्वारा प्लास्टिक प्रोडक्ट एवं पैकेजिंग के लिए इकाई की स्थापना की जाएगी। उक्त इकाई में 0.48 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है एवं 13 रोजगार के नए अवसर सृजित होना प्रस्तावित है। मेसर्स श्री गजानन इन्टरप्राईजेस कंपनी द्वारा औद्योगिक क्षेत्र रेहटा खडकोद में लगभग 196 वर्गमीटर भूमि एम.पी.आई. डी.सी. से प्राप्त की गई है, जिस पर इकाई द्वारा नॉनफेरस मेटल एण्ड प्रोडक्ट के लिए इकाई की स्थापना की जाएगी। उक्त इकाई में 0.43 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है एवं 5 रोजगार के नए अवसर सृजित होना प्रस्तावित है।

कलमेसरा सोहागपुर आईटीआई में समय परिवर्तन को लेकर छात्र-छात्राओं ने ज्ञापन सौंपा

सुबह सवेरे सोहागपुर । समीपवर्ती ग्राम कलमेसरा सोहागपुर के आईटीआई में समय परिवर्तन को लेकर छात्र छात्राओं ने नागरिक संघर्ष समिति के संयोजक एवं वकील शिवकुमार पटैल के नेतृत्व में नायब तहसीलदार श्री चौहान को ज्ञापन सौंपा। इसी संदर्भ में अतिरिक्त संचालक जी कौशल विकास संचालनालय भोपाल, आईटीआई प्राचार्य कलामेशरा सोहागपुर एवं कलेक्टर को भी ज्ञापन प्रेषित किया गया है। इस ज्ञापन में कहा गया है कि सभी छात्र शासकीय आईटीआई ग्राम कलमेसरा सोहागपुर के सत्र 2023-2025 के नियमित छात्र है। हम लोगों ने प्रवेश लिया था तब आईटीआई कक्षाओं का समय प्रातः 09.30 से था किंतु अचानक बिना कोई जानकारी के आईटीआई का समय सुबह 07.30 बजे का कर दिया है।

इससे सभी छात्र-छात्रों को काफी समस्या का सामना करना पड़ा रहा है। इस आईटीआई में दाखिल छात्राओं दूर दराज ग्रामीण क्षेत्रों से लगभग 30 से 40 किलो मीटर दूर से आते है। ऐसे में छात्रों का सुबह 7.30 बजे पहुंच पाना असंभव न है। श्रीमान जी प्रातः 7.30 बजे से लेट होने परं मेन गेट बंद कर दिया जाता है। इससे छात्रों को अंदर प्रवेश नहीं दिया जाता है ।हम सभी छात्र एवं छात्राएं अर्थिक रुप से सक्षम नहीं हैं । इसके साथ कई छात्र छात्राएं पैदल आईटीआई आते जाते हैं । उनके पास कोई आगमन का साधन नहीं है। इसके अलावा शासकीय आई टी आई कलमेसरा सोहागपुर में न तो छात्रावास की कोई सुविधा है न ही कोई निःशुल्क वाहन की सुविधा है। उल्लेखनीय बात यह भी है कि आईटीआई संस्थान सोहागपुर नगर से लगभग शहर से 5 से 6 किलोमीटर स्थापित किया गया था।

अतः मान्यवरों से आग्रह है कि शासकीय आईटीआई संस्थान में पूर्व की भांति प्रातः 9.30 समय यथावत करने के निर्देश देने की कृपा करें । इससे समस्त छात्र छात्राएं आपके आभारी रहेगें। ज्ञापन का वाचन वकील शिवकुमार पटैल ने किया। इस अवसर पर नागरिक संघर्ष समिति संयोजक अधिवक्ता शिव कुमार पटेल, सुलभ शर्मा, नितेश पटेल, लकी साहू, मंजीत राजपूत,पवन मालवीय, अभिषेक आमरवंशी, सुमित ठाकुर, राखी सराठे, कविता अहिरवार, खेमचंद, आदर्श पुरोहित, सुंदरम, सुरेंद्र, सत्यम यादव,कपिल शर्मा, चेतन, अनिकेत, हर्षित, लेखराम, बजरंग दल जिला सुरक्षा प्रमुख आशीष पुरोहित आदि उपस्थित थे।

नगर में प्रशासन ने की मिठाई दुकानों की जांच, भोपाल भेजेंगे सेम्पल

सुबह सवेरे सोहागपुर। मंगलवार को संदिग्ध मावा जप्त होने के बाद उपरांत आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा तहसील स्तर एवं सुदूर ग्रामीण क्षेत्र पर सतत कार्यवाही की। इसी तारतम्य में अनुविभागीय अधिकारी असवनराम चिरामन के नेतृत्व में विभिन्न मिठाई, खोवा, नमकीन के प्रतिष्ठानों की जांच की गई। जिसमें में मिठाई प्रतिष्ठानो बीकानेर स्वीट्स, न्यू बीकानेर स्वीट्स, सपना स्वीट्स, अंजलि स्वीट्स मेघा स्वीट्स दुबे स्वीट्स से भी 8 विभिन्न खाद्य पदार्थों [मिठाइयों] के नमूना संग्रहण कार्यवाही की गई। उक्त नमूने राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे जाएंगे। इस संयुक्त दल में नायब तहसीलदार रणजीत सिंह चौहान,राजस्व निरीक्षक नजूल फतेह मानकर,हल्का पटवारी नागेश निवारिया, खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह राणा, कमलेश दियावार आदि उपस्थित थे।

संभागायुक्त की राजस्व समीक्षा बैठक से निकली कई दिशाएं

● सशक्त बनेगा इंदौर का लिटिगेशन कार्यालय

धार। संभागायुक्त दीपक सिंह द्वारा इंदौर में गत दिनों राजस्व अधिकारियों की ली गई बैठक परिणाम मूलक बन रही है। इस बैठक में कलेक्टर अपर कलेक्टर, एसडीएम से लेकर तहसीलदार और नायब तहसीलदार स्तर के अधिकारी मौजूद रहे। इससे वरिष्ठ स्तर से दिए जाने वाले निर्देशों का स्पष्ट रूप से प्रसारण मैदानी स्तर तक संभव हुआ। बैठक की ख़ास बात यह भी रही कि संभागायुक्त श्री सिंह द्वारा राजस्व प्रकरणों में होने वाली न्यायालयीन त्रुटियों के संबंध में भी व्यवहारिक रूप से प्रशिक्षण दिया गया। यही नहीं उच्च न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने वाले प्रकरणों में जो विसंगतियां रहती हैं, उसके संबंध में भी संभागायुक्त द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। विभिन्न न्यायालयीन प्रकरणों में समन्वय करने वाले लिटिगेशन कार्यालय को सशक्त बनाने का निर्णय भी इस बैठक में हुआ। दीपावली त्योहार में पटाखों और ज्वलनशील सामग्री के बेहतर संधारण और इस संबंध में एसओपी के पालन के लिए संभागायुक्त श्री सिंह द्वारा विस्फोटक विशेषज्ञ शरद सरवटे को भी बैठक में बुलाकर उनके द्वारा प्रशिक्षण प्रदान कराया गया। संभागायुक्त ने समस्त कलेक्टर एवं राजस्व अधिकारियों को राजस्व महाभियान 2.0 की सफलता के लिए बधाई दी गई एवं नक्शा तरमीम और खसरा लिंकिग के शेष कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने इंदौर एवं बडवानी जिलों में एक वर्ष से अधिक एवं दो से पांच वर्ष के लंबित राजस्व प्रकरणों को विशेष अभियान चलाकर आगामी दो महीनों में शत प्रतिशत निराकरण किए जाने के निर्देश दिए हैं। संभाग के समस्त जिलों में रबी की फसल के बोनी के पूर्व सीमांकन के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष अभियान प्रांरभ किया जाकर सीमांकन के लंबित प्रकरणों में सीमांकन कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नक्शा तरमीम के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए और अधिक प्रयास करने के निर्देश दिए। इंदौर, धार, खण्डवा, खरगोन जिले सीएम हेल्पलाईन के अपेक्षाकृत अधिक प्रकरण पाये जाने पर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कराये जाने पर चर्चा भी हुई। इन सब निर्देशों और फैसलों से किसानों और आम आदमी को फायदा मिलेगा।

लिटिगेशन कार्यालय सशक्त बनेगा

संभागायुक्त दीपक सिंह ने समस्त कलेक्टर से चर्चा उपरांत कहा कि अवमानना प्रकरण के निराकरण के लिए समस्त जिले, लिटिगेशन, संभाग इंदौर से समन्वय कर अवमानना प्रकरणों में कार्यवाही सुनिश्चित करें। समस्त कलेक्टर जिला स्तरीय साप्ताहिक टी.एल. बैठकों में लंबित अवमानना प्रकरणों की गहनता से समीक्षा करते हुए निराकरण करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। लिटिगेशन के इंदौर कार्यालय को आवश्यक कार्मिक व मूलभूत संसाधनों से सशक्त किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक जिले से एक-एक कर्मचारी उपलब्ध कराये जायेंगे। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में लिटिगेशन कार्यालय कम कर्मचारियों और कार्यालय भवन न होने की समस्या से जूझ रहा था। संभागायुक्त द्वारा लिटिगेशन कार्यालय को अपने कार्यालय में स्थान दिया गया है।

पटवारी मिलें पंचायतों में: संभागायुक्त दीपक सिंह ने निर्देश दिए है कि समस्त जिलों के पटवारियों की पंचायत स्तर पर उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित हो। उनके मिलने का दिन व समय वहाँ दीवार पर लिखा हो। राजस्व अधिकारी दूरस्थ क्षेत्रों में कैम्प आयेजित कर राजस्व प्रकरणों का निराकरण एवं ग्राम पंचायत स्तर पर बंटवारा, नामांतरण आदेशों एवं राजस्व अभिलेखों की प्रति को वितरण करें। आदिवासी क्षेत्रों में संचालित हाट बाजारों में शिकायत पेटी को स्थापित किया जायें। राजस्व निरीक्षकों के रिक्त पदों पर वरिष्ठ पटवारी को प्रभार दिये जाने के लिए कलेक्टर के अनुमोदन पश्चात प्रस्ताव प्रेषित किया जाये।

कमिश्नर ने पकड़ी सर्विस बुक में एंट्री नहीं होने की गलती: समस्त जिलों के अधिकारियों/कर्मचारियों को जारी कारण बताओ सूचना पत्र, मेमो के पश्चात दी गई शास्ति, विभागीय जांच के दण्ड आदेशों को अधिकारियों/कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका में इन्द्राज किया जाये एवं इन्द्राज की एक प्रतिलिपि संभागायुक्त कार्यालय को उपलब्ध करायी जाये। उल्लेखनीय है कि संभागायुक्त ने फील्ड भ्रमण के दौरान कार्यालय निरीक्षण में पाया था कि दंड आदि के लिये पारित आदेश सर्विस बुक में दर्ज नहीं किये जा रहे हैं।

नहीं बिक सकेगी मंदिरों की भूमि....

मंदिर, दान, सरकारी पट्टे, न्यास बोर्ड की भूमि के खसरा खतौनी में अहस्तांतरणीय भूमि/कलेक्टर की अनुमति द्वारा ही हस्तांतरणीय होगी की टीप अंकित की जायेगी। समस्त जिलों के बंटवारा के लंबित प्रकरणों को न्यायालय द्वारा तेज गति से निराकरण किया जाये। सीमांकन के लिए तहसीलदार/एसएलआर के स्तर पर सीमांकन की तिथि निर्धारित की जाये। समस्त जिलों में आगामी दिवसों तक नक्शा तरमीम के प्रकरणों का 80 प्रतिशत निराकरण हो जाये एवं टी.एल. बैठक में समीक्षा की जाये। समस्त जिलों के राजस्व अभिलेखागारों में अभिलेख संधारण की समस्त मूलभूत व्यवस्था हो व सुरक्षा हेतु सीसीटीवी की निगरानी कराना सुनिश्चित किया जाये। समस्त जिलों में यदि अनुभाग व तहसील कार्यालय के नवीन भवन निर्माण की आवश्यकता है तो प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाए।

जिलों में बनेंगी नवीन सिविल लाइंस

संभागायुक्त ने अधिकारी-कर्मचारियों के शासकीय आवास के लिये नवीन सिविल लाइंस विकसित करने के भी निर्देश बैठक में दिये। उन्होंने कहा कि सिविल लाइन्स के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने की कार्वाई की जाये। समस्त जिले लंबित भू अर्जन के प्रकरणों का गंभीरता से समय सीमा में निराकारण कराना सुनिश्चित किया जाये।

आलीराजपुर, झाबुआ, धार, बड़वानी जिले में सोलर पार्क स्थापित किये जाने के लिए विशेष प्रयास किया जाये: संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि आलीराजपुर, झाबुआ, धार, बडवानी जिले में सौलर पार्क के क्षेत्र में निवेशकों व शासकीय परियोजना के माध्यम से यूनिट स्थापित किये जाने के लिए विशेष प्रयास किया जाये। उन्होंने निर्देश दिए कि संभाग के समस्त अनुविभागीय अधिकारी सप्ताह में एक दिन छात्रावासों, आश्रमों एवं शासकीय चिकित्सालय का निरीक्षण करें। छात्रावास अधीक्षक के कार्य, आचरण शैली व योग्यता का आंकलन किया जाए। सोयाबीन उपार्जन पंजीयन केन्द्र, सत्यापन की कार्यवाही और उपार्जन कार्य समय सीमा में पूर्ण किया जाए। समस्त जिले महिला एवं बाल विकास और पुलिस विभाग के सहयोग से महिला सुरक्षा केन्द्र जैसे नवाचारों का प्रयास किया जाये।

550 किलो संदिग्ध मावा जब्त

कहां खपता सिंथेटिक नकली मावा, दीपावली के आते ही सेहत से खिलवाड़ करने मुनाफाखोर सक्रिय हो जाते हैं

हीरालाल गोलानी सोहागपुर ।

मंगलवार को नर्मदापुरम पिपरिया राज्य मार्ग 22 शिव मंदिर के निकट खाद्य अधिकारियों ने 550 किलोग्राम संदिग्ध मावा जब्त किया।जब उक्त संदिग्ध मावा अनलोड किया जा रहा था। आखिर दीपावली के आते आते सेहत से खिलवाड़ करने किस दुकानदार के यहां खपने वाला था।यह सिन्थेटिक मावा। इतनी बड़ी मात्रा में पहली बार सिंथेटिक मावा जब्त हुआ है।यह सवाल नगर के हर घर में चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि खाद्य अधिकारियों ने धार्मिक भावनाओं से लबरेज कृष्णा स्पेशल बर्फी 550 किलोग्राम में से सैंपल लेकर जाँच के लिए भोपाल भेजे गए हैं।

बड़ा सवाल

आखिर कृष्णा बर्फी स्पेशल संदिग्ध मावा आ कहां से रहा था।उसको प्राप्त करने वाला कौन था। जिस वाहन में संदिग्ध मावा पलटाया जा रहा था। उसने किस दुकानदार का नाम लिया। यदि नाम उजागर नहीं होगा तब सोहागपुर के मशहूर शुद्ध मिष्ठान बैचने वाले भी शंका के दायरे में आ जाएंगे।

बीमारियों को न्योता: संदिग्ध मावा से बनने वाली मिठाई से नागरिक गंभीर बीमारियों की जद में आ जाते हैं। उल्लेखनीय है कि नगर में विगत दिनों दो वार्डो के नागरिक केंसर से अधिक पीड़ित हो रहे हैं। इसी संदर्भ में नागरिक ने ज्ञापन भी सौंपा था।

संदिग्ध मावा

संदिग्ध मावा बनाने में राजस्थान, मुरेना भिन्ड आदि नगर हमेशा चर्चा में रहते हैं।

सोशल मीडिया पर खूब छीछालेदार : सोशल मीडिया पर केशर सिंह काटकर ने लिखा नाम का खुलासा होना चाहिए। कांग्रेस नेता नीरज चौधरी लिखते हैं कि आटों वाले को नाम तो मालूम होगा। देवेन्द्र दीवान ने लिखा है कि नाम बताने में क्या दिक्कत है। वकील प्रांजल तिवारी ने लिखा है कि ईमानदारी से जांच हो तो मगरमच्छ पकड़े जा सकते हैं। इसके साथ ही मिलावटी तैल का उपयोग चरम सीमा पर है।

मासिक वसूली

चर्चा तो यह है कि सोहागपुर के एक सीधे सीधे कहलाने वाले होलसेल किराना व्यापारी के यहां मंथली राशि एकत्रित होती है। जो ऊपर से नीचे तक वितरित होती है। यह क्रम कई सालों से चल रहा है। नमूने केवल दिखाती रहते हैं। प्रशासन को तो आंकड़े ही चाहिए रहते हैं।जो जांच के बाद हमेशा ठीक निकलते हैं।

बधाई के पात्र

सोहागपुर में पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में संदिग्ध मावा जब्त किया गया है। इसलिए विभाग के अधिकारी बधाई के पात्र हैं। लेकिन यदि आटों वाले से मिले नाम पर कार्यवाही होती तो सोहागपुर की जनता-जनार्दन अधिक बधाई देती।

सवा करोड़ शिवलिंग निर्माण उत्सव की तैयारी का प्रचार-प्रसार तेज

नर्मदापुरम। मुख्यालय पर नर्मदा जयंती पर्व की भांति जन-जन में शिवभक्ति का आकार बड़ा रहा धर्माचार्य सोमेश परसाई के सानिध्य में होने जा रहे सवा करोड़ शिवलिंग निर्माण उत्सव का प्रचार प्रसार गति पकड़ चुका, धर्माचार्य के कुशल नेतृत्व में होने वाले सवा करोड़ शिवलिंग निर्माण उत्सव मनाने के लिए नगर के गणमान्य सहित मठ मंदिर के पुजारी भी उत्सवी कार्यक्रम में जुड़ गए। एक गार्डन में बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की रुपरेखा तय की और उसपर अमल करते हुए प्रचार प्रसार की गतिविधियां शुरू कर दी। 7 नवंबर से शुरू होने वाले सप्त दिवसीय इस कार्यक्रम में शामिल होने का न्योता देने की शुरुआत नर्मदा घाट स्थित प्राचीन नर्मदा मंदिर के अर्चक गोपाल प्रसाद खड्डर को मां नर्मदा सहयोग संस्था के सदस्यों ने देकर शुरू की, श्री विद्या ललितम्बा समिति के तत्वावधान में होने जा रहे भव्य आयोजन में शामिल होने आमंत्रण

विकास नारोलिया, महेंद्र यादव के नेतृत्व में प्रभारी मंत्री राकेश सिंह को दिया गया। नगर के नवयुवक कार्यक्रम के प्रचार के लिए मोटर साइकिल रैली निकाल रहे और अब कार्यक्रम की भव्यता को लेकर मातृ शक्तियों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ अपना योगदान दिया जिन्होंने धर्माचार्य के निवास पर इस आयोजन को भव्य और सफल बनाने का दृढ़ संकल्प लिया।

जनहित में : मालाखेड़ी चौराहे से मिनाक्षी चौक जुड़ने वाली सकरी सड़क पर यातायात का भारी दबाव

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम की भोपाल नागपुर फोरलेन हाइवे से जुड़ने वाली सांगाखेडा रायपुर बांद्राभान सड़क मालाखेड़ी उपनगरीय चौराहे से जुडकर सिविल लाइन्स, कलेक्टर, कमिश्नर, वन संरक्षक, पुलिस अधीक्षक, मजिस्ट्रेट आवासीय बंगलों के सामने वाली यह सडक एक महत्वपूर्ण और भारी यातायात दबाव वाली सड़कों में शामिल हो चुकी। जो न्यायालय, जिला जेल होते हुए मिनाक्षी चौक तक आती है, इस सडक का चौडीकरण होना बहुत जरूरी हो गया है। हाइवे से जुड़ने के कारण इस वीआईपी मार्ग पर कालोनियां और बढते यातायात का दबाव से दुर्घटना का अंदेशा बना रहता। विकास कार्य की सूची में इस सडक को जनहित में प्राथमिकता से टू लेन करना आवश्यकता है। स्थानीय नागरिकों की जनप्रतिनिधियों, पार्षदों और सभी प्रशासनिक अधिकारी से मांग है कि जनहित में इस सडक को शीघ्र विकसित किया जाए।

मप्र की हर सरकारी बिल्डिंग पर लगेगा सोलर पावर प्लांट

बीहड़ में सौर ऊर्जा से बनेगी 8000 मेगावाट बिजली, 6-6 महीने यूज करेगी एमपी-यूपी सरकार

भोपाल (नप्र)। मप्र के स्कूल, कॉलेज, अस्पतालों से लेकर कलेक्टर, एसपी ऑफिस और भोपाल में मंत्रालय सोलर एनर्जी से संचालित होंगे। इसके लिए रिन्यूएबल एनर्जी डिपार्टमेंट काम कर रहा है। मप्र के नव-करणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने भोपाल में अपने सरकारी आवास पर मीडिया से चर्चा में यह जानकारी दी। मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा- अभी मध्य प्रदेश में सोलर एनर्जी से 7000 मेगावॉट तक उत्पादन हो रहा है। 8000 मेगावॉट और उत्पादन बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच करार हुआ है। जिसमें हम 8000 मेगावॉट सोलर एनर्जी प्रोडक्शन का प्लान कर रहे हैं। छह-छह महीनों के अंतराल से मप्र और उत्तर प्रदेश दोनों राज्य इस ऊर्जा का उपयोग करेंगे।

इलेक्ट्रिक व्हीकल पर सब्सिडी के लिए भी करेंगे प्रयास

मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा- 2028 तक हम 20000 मेगावॉट सोलर एनर्जी प्रोडक्शन के टारगेट को पाने का प्रयास कर रहे हैं। नव करणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मध्य प्रदेश अग्रणी बने इसके लिए मुख्यमंत्री जी लगातार प्रयास कर रहे हैं। ईवी(इलेक्ट्रिक व्हीकल) पर सब्सिडी देने के प्रस्ताव पर मंत्री ने कहा- मुख्यमंत्री जी की सलाह से इस पर भी गंभीरता से मंथन कर इस ओर भी आगे बढ़ेंगे।

चंबल के बीहड़ में सोलर प्लांट लगाने के प्रयास

नव करणीय ऊर्जा मंत्री ने कहा– मध्य प्रदेश के चंबल क्षेत्र में बीहड़ की जमीन है। हम उसमें लगातार यह प्रयास कर रहे हैं कि किसी तरीके से सोलर प्लांट वहां स्थापित हो। लेकिन बीहड़ में थोड़ी सी टेक्निकल परेशानी है। उसको दूर करने की दिशा में काम कर रहे हैं। बहुत जल्दी भिंड में भी जगह चिह्नित हो जाएगी और बीहड़ क्षेत्र में सोलर प्लांट लगेंगे।

ओंकारेश्वर के फ्लोटिंग सोलर प्लांट में एक कील भी विदेशी नहीं

मंत्री शुक्ला ने कहा कि ओंकारेश्वर का फ्लोटिंग सोलर प्लांट पूरी तरह से स्वदेशी है। इसकी पूरी मैन्युफैक्चरिंग इंदौर में हुई है। जब आइटम स्वदेशी होगा तो रेट में कमी आएगी। मंत्री ने कहा– मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि ओंकारेश्वर का फ्लोटिंग सोलर प्लांट पूर्ण रूप से स्वदेशी है। उसमें एक कील भी विदेश की नहीं लगी है। यह हमारे लिए गौरव की बात है।

निगम कमिश्नरों की पावर कम करने की तैयारी

मेयरों ने मंत्री विजयवर्गीय से कहा था- एक काम के दो-दो टेंडर निकाल रहे अफसर

भोपाल (नप्र)। डॉ. मोहन यादव सरकार नगर निगम कमिश्नरों का फाइनेंशियल पावर कम करने की तैयारी में है। पिछले दिनों कुछ मेयरों ने नगरीय आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की बैठक में कहा था कि कमिश्नर एक ही काम के दो-दो टेंडर जारी कर रहे हैं। इसके बाद उनके अधिकारों में कटौती पर विचार चल रहा है। इसके अलावा, कमर्शियल प्रोजेक्ट में बिल्डर से लिया जाने वाला आश्रय शुल्क भी घटाने की तैयारी है। लीज रिन्यूअल और निगम की लीज प्रॉपर्टी को फ्री होल्ड करने का मुद्दा भी मंत्री के सामने रखा गया था।

वित्तीय अधिकार कम क्यों कराना चाहते हैं मेयर

राज्य सरकार ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले (अगस्त 2023) महापौर, एमआईसी (महापौर परिषद) नगर निगम आयुक्त वित्तीय अधिकार दोगुने किए थे। इसके तहत पांच लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर निगम में आयुक्त को 5 करोड़, महापौर को 10 करोड़ और एमआईसी को 10 से 20 करोड़ रुपए के कामों की स्वीकृति देने का अधिकार दिया गया।

इसी तरह 5 लाख तक की जनसंख्या वाले नगर निगम आयुक्त को एक करोड़ रुपए तक, महापौर को 5 करोड़ और मेयर इन काउंसिल को 10 करोड़ और निगम को 10 करोड़ से 20 करोड़ से अधिक तक के कामों के अधिकार दिए गए। जुलाई के महीने में नगर निगम कमिश्नर और मेयर के साथ नगरीय आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बैठक ली थी। इस बैठक में कुछ नगर निगम के मेयर ने कहा कि कमिश्नर्स को जो 5 करोड़ के अधिकार दिए हैं। वे उससे ज्यादा के काम करवा रहे हैं। मसलन 8 करोड़ का काम है तो कमिश्नर ही दो हिस्सों में टेंडर जारी कर रहे हैं। इससे मेयर और एमआईसी के अधिकारों का हनन हो रहा है।

कमर्शियल प्रोजेक्ट पर आश्रय शुल्क 5 प्रतिशत से घटाकर 2.5 प्रतिशत होगा

मध्यप्रदेश में सरकार किसी भी कमर्शियल प्रोजेक्ट में ईडब्ल्यूएस मकान बनाने के एवज में 5 प्रतिशत आश्रय शुल्क लेती है। प्रदेश के बिल्डर्स इसका विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि आश्रय शुल्क हाउसिंग प्रोजेक्ट में लागू करना ठीक है, लेकिन कमर्शियल प्रोजेक्ट में नहीं। कन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) ने यह मुद्दा मंत्री विजयवर्गीय के सामने उठाया था। अब सरकार इसे खत्म करने के बजाय 2.5 प्रतिशत करने की तैयारी कर रही है। जानकारों का कहना है कि कमर्शियल प्रोजेक्ट से आश्रय शुल्क घटाने का असर निम्न आय वर्ग के लिए बनाए जाने वाले मकानों की योजना पर जरूर पड़ेगा। सरकार इस राशि का इस्तेमाल ईडब्ल्यूएस स्कीम में करती है।

अफसरों के चक्कर नहीं काटना पड़ेंगे: जानकार कहते हैं कि कमिश्नर के वित्तीय अधिकारों में कटौती होने से पब्लिक पर सीधा असर तो नहीं पड़ेगा, लेकिन महापौर के अधिकार बढ़ने से पार्षदों के काम होना आसान हो जाएंगे। उन्हें क्षेत्र के कामों के लिए अफसरों के चक्कर नहीं काटना पड़ेंगे।

लीज और फ्री होल्ड के मुद्दे पर कोई फैसला नहीं

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ हुई बैठक में इंदौर के मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने फ्री होल्ड का मसला उठाया था। उन्होंने कहा था कि इंदौर में लीज की प्रॉपर्टी को फ्री होल्ड करने का काम नहीं हो रहा है। इससे जनता परेशान है। इस पर नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने जवाब दिया कि नियमों में बहुत जटिलता है, जिसके कारण यह काम नहीं हो पा रहा है। वर्मा ने यह सुझाव तक दे दिया था कि फ्री होल्ड के अधिकार एमआईसी को दे देना चाहिए। बैठक में मंत्री विजयवर्गीय ने सभी मेयर से लीज प्रकरण और फ्री होल्ड के बारे में जानकारी ली।

जबलपुर के मेयर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि दो साल में लीज रिन्यू के 327 में से 132 प्रकरण स्वीकृत किए जा चुके हैं। जबकि फ्री होल्ड के 480 में से 208 प्रकरणों को मंजूरी दी गई है। वहीं इंदौर मेयर ने बताया कि फ्री होल्ड के सिर्फ 9 मामले ही स्वीकृत हो सके हैं।

ऑक्सीजन सिलेंडर का पाइप फटा, एड्स पेशेंट की मौत

शिवपुरी जिला अस्पताल में घबराए परिजन, मरीजों को लेकर वार्ड से बाहर भागे

शिवपुरी (नप्र)। शिवपुरी के जिला अस्पताल में मरीज की शिफ्टिंग के दौरान ऑक्सीजन सिलेंडर के नोजल से लगा पाइप फट गया। इससे तेज आवाज आई। ऑक्सीजन न मिलने के चलते मरीज की मौत हो गई। वहीं, आवाज से डरे परिजन दूसरे मरीजों को लेकर वार्ड से निकलकर अस्पताल के बाहर परिसर में खड़े हो गए।

जवाहर कॉलोनी के रहने वाले एड्स पीड़ित (45) को घबराहट होने पर मंगलवार को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दिनभर अस्पताल की पहली मंजिल पर बने आईसीयू में रखा गया। रात 8 बजे ग्वालियर रेफर करने की तैयारी की जा रही थी। पेशेंट को वार्ड बॉय ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ व्हील चेयर पर आईसीयू से ट्रॉमा सेंटर ले जा रहा था। रैंप से गुजरते वक्त हादसा हुआ।

समझाइश के बाद वार्ड में लौटे मरीज और परिजन

पाइप फटने की आवाज से घबराए परिजन और मरीज करीब आधे घंटे तक परिसर में खड़े रहे। अस्पताल प्रबंधन ने उन्हें हादसे के बारे में समझाया। कहा कि कोई परेशानी वाली बात नहीं है। इसके बाद ही वे वार्ड में जाने को राजी हुए।

अटेंडर ने कहा- वार्ड में नर्सिंग स्टाफ ने बाहर जाने को बोला

एक मरीज के अटेंडर अशोक कुमार शाक्य ने कहा, धमाके की आवाज आने के बाद अस्पताल में भगदड़ मच गई। लोग डरे हुए थे। दिलीप शाक्य ने बताया कि वह जिला अस्पताल में भर्ती मोहन सिंह ठेकेदार को देखने पहुंचे ही थे कि लोग वार्ड से बाहर आने लगे। पिछोर निवासी राकेश परिहार ने कहा, वार्ड में धमाके की आवाज सुनकर नर्सिंग स्टाफ ने हमें बाहर जाने के लिए कहा। उजाय गांव से अस्पताल आए रामजीलाल ने बताया कि वे पहली मंजिल पर बैठे हुए थे। तभी रैंप पर तेज धमाके की आवाज हुई। इसके बाद अटेंडर मरीजों को लेकर बाहर आने लगे।

परिजन बोले- वार्ड बॉय ने ऑक्सीजन सिलेंडर से छेड़छाड़ की

एड्स पेशेंट के भतीजे ने बताया, चाचा को घबराहट की शिकायत के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें आईसीयू से ऑक्सीजन सपोर्ट पर व्हील चेयर पर बैठाकर ट्रॉमा सेंटर ले जा रहे थे। इसी दौरान वार्ड बॉय ने ऑक्सीजन सिलेंडर से छेड़छाड़ की। इसके बाद तेज धमाका हुआ। ऑक्सीजन सिलेंडर का मीटर और नोजल उछलकर गिर गए। ऑक्सीजन न मिलने के चलते चाचा की मौत हो गई।

सिविल सर्जन बोले- मरीज की हालत गंभीर थी

जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. बीएल यादव ने कहा, एड्स का मरीज ग्वालियर से आकर जिला अस्पताल में भर्ती हुआ था। उसका हीमोग्लोबिन 3 ग्राम रह गया था। ब्लड ग्रुप AB निगेटिव था। दो यूनिट ब्लड बैंक से उपलब्ध कराए गए थे। उसकी किडनी भी फेल थी। इसी के चलते उसे वापस ग्वालियर रेफर करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही थी। इसी दौरान आक्सीजन सिलेंडर में लगा सिलिकॉन पाइप निकल गया।

सक्रिय सदस्यता में भाजपा पूछ रही क्रिमिनल रिकॉर्ड तो नहीं

मिस्ड कॉल से मेंबर बने आपराधिक छवि के लोगों की सदस्यता होगी बर्खास्त, स्क्रूटनी चालू

भोपाल (नप्र)। 2 सितंबर से 15 अक्टूबर तक चले बीजेपी के सदस्यता अभियान के बाद अब सक्रिय सदस्यता शुरू हो गई है। 31 अक्टूबर तक चलने वाले सक्रिय सदस्यता के फॉर्म में बीजेपी यह स्व घोषणा लिखवा रही है कि सक्रिय सदस्य बनने वाले कार्यकर्ता पर कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है।

मिस्ड कॉल से मेंबर बने लोगों की स्क्रूटनी करा रही बीजेपी: बीजेपी ने सभी जिलों में प्राथमिक सदस्यता की दो कैटेगरी में स्क्रूटनी शुरू कराई है। इस स्क्रूटनी में यह देखा जा रहा है कि मिस्ड कॉल के जरिए सदस्य बने लोगों में कोई आपराधिक छवि वाला व्यक्ति मेंबर तो नहीं बन गया है। स्क्रूटनी में यह भी देखा जा रहा है कि बीजेपी के जो कार्यकर्ता अनुशासन हीनता, चुनाव में भितरघात, बयानबाजी के कारण पार्टी से निष्कासित हैं। सभी जिलों से ऐसे मेंबर्स की छंटनी की जा रही है। इन दोनों टाइप के लोगों की सदस्यता टर्मिनेट की जाएगी।

ऐसे होगी छंटनी: बीजेपी के सदस्यता अभियान के दौरान जो लोग सदस्य बने हैं। उनमें से किसी आपराधिक छवि के व्यक्ति और निष्कासित नेता के सदस्य बनने की सूचना या शिकायत स्थानीय स्तर पर संगठन को मिली है। तो उस सदस्य के नाम और मोबाइल नंबर से मेंबरशिप के डेटा में सर्च किया जाएगा। इस प्रकार के जो भी लोग सदस्य बने हैं उनके सदस्यता नंबर और डिटेल को सर्च करके मेंबरशिप टर्मिनेट की जाएगी।

सक्रिय सदस्यता के बाद बूथ समितियां होगी गठित: 31 अक्टूबर को सक्रिय सदस्यता का अभियान पूरा होने के बाद नवंबर महीने के पहले पखवाड़े में प्रदेश के 64871 बूथों पर बूथ समितियों का गठन होगा। बूथ समितियों के गठन के बाद बाद मंडल अध्यक्षों का चुनाव होगा। वहीं जिला अध्यक्ष और फिर प्रदेश अध्यक्ष का निर्वाचन कराया जाएगा। जिला अध्यक्ष के चुनाव के साथ ही एक प्रदेश प्रतिनिधि हर जिले से नॉमिनेट किया जाएगा, जो प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में हिस्सा लेगा।

जया बच्चन की मां की रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर

भोपाल पहुंचे जया और अभिषेक; छोटी बेटी बोलीं- मां पूरी तरह ठीक

भोपाल (नप्र)। बॉलीवुड एक्ट्रेस और सपा से राज्यसभा सांसद जया बच्चन की मां इंदिरा भादुड़ी के स्वास्थ्य को लेकर बुधवार को कई तरह की खबरें आईं। उनकी बेटी नीता ने मीडिया को बताया कि मां पूरी तरह ठीक हैं।

ऐसी चर्चाएं तब शुरू हुईं, जब मंगलवार रात इंदिरा के नाती एक्टर अभिषेक बच्चन और बुधवार दोपहर उनकी बड़ी बेटी जया बच्चन भोपाल पहुंचीं।

इंदिरा भोपाल के श्यामला हिल्स में रहती हैं। यहां उनके दो अपार्टमेंट हैं। एक बेटी नीता उनके घर के सामने ही रहती हैं। मीडिया ने केयर टेकर बबली से भी इंदिरा के स्वास्थ्य के बारे में बात की। उन्होंने इतना कहा कि इंदिरा भादुड़ी के रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हुआ है। वे घर में ही आराम कर रही हैं।

अमिताभ बच्चन का ससुराल भोपाल में

जया बच्चन के पिता तरुण भादुड़ी पत्रकार थे, उनकी मां का नाम इंदिरा भादुड़ी है। वे भोपाल के श्यामला हिल्स इलाके में रहती हैं। अमिताभ की कई फिल्मों की शूटिंग भोपाल में हो चुकी है। खुद अभिषेक और ऐश्वर्या भी बेटी आराध्या के साथ कई बार नानी से मिलने भोपाल आ चुके हैं। जया बच्चन की बहन रीता वर्मा भी भोपाल में ही रहती हैं। उनकी शादी राजीव वर्मा से हुई है। रीता के अलावा जया की एक और बहन हैं। जिनका नाम नीता है।

बिहार की रहने वाली हैं अमिताभ की सास

इंदिरा भादुड़ी का शादी से पहले नाम इंदिरा गोस्वामी था। उनकी पढ़ाई पटना में ही हुई है। इंदिरा की शादी पत्रकार और लेखक तरुण कुमार भादुड़ी के साथ हुई थी। तरुण कुमार भादुड़ी उस समय भोपाल में अंग्रेजी अखबार 'स्टेट्समैन' के संवाददाता थे। इंदिरा भादुड़ी और तरुण कुमार की 3 बेटियों में सबसे बड़ी बेटी जया भादुड़ी हैं।

शिवराज की बुधनी सीट पर भाजपा प्रत्याशी का विरोध

कार्यकर्ता बोले- कैंडिडेट नहीं बदला तो परिणाम भुगतने को तैयार रहें; पूर्व मंत्री के सामने हंगामा

सीहोर (नप्र)। केंद्रीय कृषि मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की परंपरागत बुधनी विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए भाजपा ने रमाकांत भार्गव को प्रत्याशी बनाया है। लेकिन भाजपा में ही उनका विरोध शुरू हो गया है। मंगलवार को बुधनी विधानसभा उपचुनाव को लेकर सह प्रभारी बनाए गए पूर्व मंत्री रामपाल सिंह राजपूत भेरूंदा पहुंचे थे। यहां उन्हें कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। कार्यकर्ताओं ने कहा कि हमें रमाकांत भार्गव जैसा प्रत्याशी मंजूर नहीं है। संगठन ने अपना निर्णय नहीं बदला तो फिर कार्यकर्ता परिणाम बदलने की ताकत भी रखता है। कार्यकर्ताओं ने राजेन्द्र सिंह राजपूत को प्रत्याशी बनाने की मांग की है।

कार्यकर्ताओं ने दी चुनाव में परिणाम भुगतने की चेतावनी: दरअसल, बुधनी विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा के घोषित प्रत्याशी रमाकांत भार्गव से असंतुष्ट कार्यकर्ताओं ने एक बैठक रखी थी। नाराज कार्यकर्ताओं को मनाने के लिए पूर्व मंत्री रामपाल सिंह राजपूत यहां पहुंचे थे। वे सभी को संबोधित कर रहे थे। तभी कार्यकर्ताओं ने उनके सामने कहा कि प्रदेश और केंद्रीय संगठन ने कार्यकर्ता और जनता की भावनाओं का सम्मान नहीं किया है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पार्टी की ओर से घोषित उम्मीदवार हमें कतई मंजूर नहीं है। संगठन को अपना फैसला बदलना होगा। संगठन ने राजेन्द्र सिंह राजपूत को प्रत्याशी नहीं बनाया तो चुनाव में इसके परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे।

रामपाल सिंह राजपूत को भाषण बीच में छोड़ना पड़ा: बैठक में कार्यकर्ताओं के भारी विरोध के कारण रामपाल सिंह राजपूत को भाषण बीच में ही छोडना पड़ा। हालांकि, इस दौरान वे बार-बार उन्हें समझाने का प्रयास करते रहे। लेकिन कार्यकर्ता नारेबाजी करते रहे। प्रत्याशी बदलने की मांग पर अड़े रहे। कार्यकर्ताओं ने प्रत्याशी नहीं बदलने पर कांग्रेस के समर्थन में वोटिंग तक करने की बात कह दी।

निर्णय पार्टी का, आपकी बात संगठन तक पहुंचाएंगे: बैठक में चुनाव सह प्रभारी रामपाल सिंह राजपूत ने संबोधित करते हुए कहा कि..हम सब लोगों ने मिलकर कार्तिकेय सिंह चौहान का नाम केंद्रीय नेतृत्व के पास भेजा था। लेकिन, परिवार के सदस्य का नाम होने के कारण दिल्ली में आयोजित बैठक में शिवराज सिंह चौहान नहीं गए। इसलिए जो निर्णय केंद्रीय नेतृत्व ने लिया हैं, वह पार्टी का है। आप लोगों की भावनाओं को सुनने के लिए मैं आपके बीच आया हूं, आपकी बात को संगठन के बीच रखूंगा।

भावुक हुए टिकट के दावेदार रहे राजेंद्र सिंह राजपूत

बैठक में बुधनी विधानसभा उपचुनाव के लिए टिकट के दावेदार रहे राजेन्द्र सिंह राजपूत भी मौजूद रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को शांत कराने की कोशिश की। हालांकि उन्होंने भी पार्टी संगठन के निर्णय को पीड़ा दायक बताया। वे कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा -मैंने इस बैठक में कार्यकर्ताओं को आने से रोकने का भरपूर प्रयास किया। लेकिन, मैं कार्यकर्ताओं के हिम्मत-हौसले को सलाम करता हूं, जिन्होंने एक बुलावे पर इस बैठक में आकर मेरा मान और सम्मान रखा। कार्यकर्ताओं की तपस्या भंग ना हो, इसलिए मैंने यह बैठक आहूत की। कार्यकर्ताओं का जो निर्णय होगा वह मेरे लिए सर्वमान्य होगा। मुझे पद का कोई लालच नहीं हैं। हम अपनी बात मर्यादित रूप से संगठन तक पहुंचाएंगे। लेकिन, प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व ने जो निर्णय लिया हैं वह पीड़ादायक है।